रांची, सोमवार, 13 जुलाई 2026

संवत 2083, अषाढ़ कृष्ण पक्ष 14 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 299, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▶▶ छात्रशक्ति से राष्ट्रशक्ति में परिणीति के 78 वर्ष

पिटबुल के कॉन्सर्ट में झूमीं अनन्या पांडे ◀◀ 6

मॉर्निंग वॉक के दौरान कुएं में गिरने से रिटायर्ड डॉक्टर की मौत, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता

गिरीडीह: जिले के पचंबा थाना क्षेत्र के लखारी स्थित एक सार्वजनिक कुएं से सोमवार की सुबह सदर अस्पताल के पूर्व उपाधीक्षक (डीएस) डॉ बीएन झा का शव बरामद किया गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकलवाया।

पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में लोगों की भीड़ जुट गई। शहर के जाने-माने चिकित्सकों में शुमार डॉ। झा के निधन की खबर से चिकित्सा जगत और स्थानीय लोगों में शोक की लहर फैल गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, डॉ बी एन झा सोमवार की सुबह रोज की तरह मॉर्निंग वॉक में निकले थे और कुछ देर बाद शव लखारी स्थित एक सार्वजनिक कुएं से बरामद किया गया। उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, फिलहाल इसका स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। हालांकि उनकी मौत की खबर से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पुलिस घटना की हर पहलू से जांच कर रही है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और आसपास के लोगों से भी पूछताछ और क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है।

मोहम्मदगंज में ट्रेन से कटकर महिला की मौत, जांच में जुटी पुलिस

पलामू : जिले के मोहम्मदगंज रेलवे स्टेशन के पास सोमवार सुबह ट्रेन की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान जगदीश मेहता की बहू व धर्मेंद्र मेहता की पत्नी के रूप में हुई है। वह कड़नाडा गांव की रहने वाली है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच में जुटी है।

बता दें कि, घटना की जानकारी मिलते ही मोहम्मदगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच भेज दिया।

पुलिस ने बताया कि प्रथम द्दष्टया मामला ट्रेन से कटने का प्रतीत होता है। हालांकि, इसकी पुष्टी नहीं हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अंधविश्वास में चाचा ने चाकू गोदकर भतीजे को मार डाला,गिरफ्तार

पलामू: जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के रबदा गांव में अंधविश्वास में आकर एक चाचा ने अपने 12 वर्षीय भतीजे की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। पुलिस ने पूरे मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी चाचा को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है। मृतक 12 वर्षीय रौशन बैठा सुबह-सुबह घर के बाहर घूम रहा था। इसी क्रम में चाचा अनिल बैठा मौके पर पहुंचा और अपने भतीजे रौशन को चाकू से गोद डाला और उसकी गला दबा दी। इस घटना में रौशन की मौके पर ही मौत हो गई है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद चैनपुर थाना के पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी चाचा अनिल बैठा को गिरफ्तार कर लिया है। घटना पर थाना प्रभारी लाल जी ने बताया कि अंधविश्वास में घटना को अंजाम दिया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी अनिल बैठा बच्चे नहीं होने का दोषी रौशन की मां को मान रहा था।

घटना के बाद ग्रामीण शव को उठाने नहीं दे रहे थे। मृतक के पिता बाहर मजदूरी करते हैं, ग्रामीणों का कहना था कि पिता के लौटेंगे उसके बाद ही शव को उठाने दिया जाएगा। घटना की जानकारी मिलने के बाद सदर एसडीपीओ राजेश यादव के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंची। एसडीपीओ द्वारा ग्रामीणों को समझा बुझाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

चक्रधरपुर रेल मंडल में अलग-अलग जगहों पर ट्रेन से कटकर दो की मौत

चक्रधरपुर : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर रेल मंडल में रविवार देर रात अलग-अलग स्थानों पर रेल हादसों में दो अज्ञात व्यक्तियों की मौत हो गई। पहली घटना सोनुवा स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या एक के समीप हुई। जबकि दूसरी घटना चक्रधरपुर-लोटापहाड़ रेलखंड पर बुड़ीगोड़ा गांव के पास हुई।

दोनों हादसों में ट्रेन से कटने के कारण शव क्षत-विक्षत हो गए, जिससे उनकी पहचान अब तक नहीं हो सकी है। सोमवार को सूचना मिलने पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और स्थानीय पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पहली घटना सोनुवा स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 के समीप अप लाइन पर हुई। बताया जाता है कि अप दिशा में जा रही एक मालगाड़ी की चपेट में आने से एक व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि शव कई हिस्सों में बिखर गया। सोमवार सुबह चक्रधरपुर आरपीएफ की टीम ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए चक्रधरपुर अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। वहीं दूसरी घटना चक्रधरपुर और लोटापहाड़ स्टेशन के बीच बुड़ीगोड़ा गांव के समीप स्थित रेल फाटक के पास अप लाइन के पोल संख्या 317/21-27 के निकट हुई। यहां से गुजर रही ट्रेन संख्या 20972 शालीमार-उदयपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस की चपेट में आने से एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई।

सूचना पर पहुंची चक्रधरपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।वहीं इधर पुलिस और रेलवे प्रशासन दोनों मृतकों की पहचान कराने में जुटे हैं। अधिकारियों के अनुसार, शव अत्यधिक क्षत-विक्षत होने के कारण उनकी पहचान करने में परेशानी हो रही है।

ट्रांसफार्मर बनाते समय करंट लगने से कर्मी की मौत, विभाग पर लापरवाही का आरोप

परिजनों ने की मुआवजे की मांग

संवाददाता

गिरीडीह: जिले के मुफस्सिल थाना के महतोडीह में ट्रांसफार्मर बनाते समय करंट की चपेट में आने से कर्मी से आने से मौत हो गई है। मृतक की पहचान मटरूखा पंचायत के सरयू पंडित (46) के रूप में हुई है। परिजनों ने बिजली विभाग पर कथित लापरवाही का आरोप लगाया है। मिली जानकारी के अनुसार, सरयू पंडित पिछले 18 वर्षों से डांडीडीह पावर हाउस में केजुअल वर्कर के रूप में कार्यरत थे। रविवार को वे महतोडीह में ट्रांसफार्मर बनाने का कार्य कर रहे थे। बताया गया है कि काम शुरू करने से पहले शटडाउन लिया गया था।

लेकिन काम के दौरान अचानक लाइन चालू हो जाने के कारण सरयू पंडित करंट की चपेट में आ गए और बुरी तरह झुलसकर जमीन पर गिर गए। घटनास्थल के स्थानीय लोगों ने उन्हें तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने इलाज के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई।वहीं घटना को लेकर मटरूखा पंचायत के मुखिया रविंद्र कुमार ने कहा कि यह पूरी तरह बिजली विभाग की लापरवाही है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना पूर्व सूचना या सुरक्षित व्यवस्था के लाइन चालू कर देने से यह हादसा हुआ। मामले की सूचना पुलिस और बिजली विभाग को दे दी गई है। परिजनों ने बिजली विभाग से उचित मुआवजे और न्याय की मांग की है।

महंगाई से जूझ रहे पाकिस्तान में फिर महंगा हुआ पेट्रोल, कराची से पेशावर तक हाहाकार

कराची: ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतों पर लगातार असर पड़ रहा है। कच्चे तेल की कीमत युद्ध के कारण लगातार बढ़ रही है। तेल के दाम बढ़ते ही पाकिस्तान में पेट्रोल और डीजल की कीमते बढ़ा दी गई। पाकिस्तानी में ईंधन के दाम बढ़ने के कारण पब्लिक ट्रांसपोर्ट का किराया भी बढ़ गया है। इसका असर अब आम लोगों पर पड़ रहा है।

ईंधन के दाम बढ़ने के बाद ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों ने बढ़ी हुई दरों के लिए ईंधन की ज्यादा लागत का हवाला दिया है। ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों ने तेल की कीमतों के बढ़ने के बाद एक स्टॉप से दूसरे स्टॉप तक का कम से कम किराया 50पीकेआर (पाकिस्तानी करेंसी) तय किया है, जबकि सामान ढोने का खर्च भी तेजी से बढ़ा है।

इसके अलावा कराची से पेशावर तक सामान ले जाने वाले ट्रेलरों का किराया बढ़कर 7,00,000 ढङफहो गया है। इस कदम से व्यापारियों में महंगाई के नए दबाव को लेकर चिंता बढ़ गई है। पाकिस्तानी अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, यह इजाफा नई कीमतों के बढ़ने के तुरंत बाद हुआ है।

वहीं रावलपिंडी में लोकल ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों ने प्रति यात्री किराया 20 पीकेआर बढ़ा दिया है, जबकि आस-पास क इलाकों में चलने वाली सेवाओं ने प्रति यात्री किराया 30 पीकेआर बढ़ा दिया है। इसके अलावा, ट्रांसपोर्टरों ने यात्रियों के लिए सामान के लिए अतिरिक्त शुल्क लेना भी शुरू कर दिया है।

इतना ही नहीं ऑपरेटरों ने 8 साल या उससे ज्यादा उम्र के बच्चों से किराया लेना शुरू कर दिया है, जबकि लंबी दूरी की बस सेवाओं ने टिकट की कीमतें प्रति यात्री 100 पीकेआर से 250 पीकेआर के बीच बढ़ा दी है। साथ ही रावलपिंडी और मरी के बीच एसी कोच सेवाओं का किराया भी बढ़ाकर 700 पीकेआर कर दिया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, लोकल चिंगची रिक्शा, बाइक टैक्सी और मोटरसाइकिलों ने भी अपना किराया बढ़ा दिया है, जबकि लोडर रिक्शा ने अपना लोडिंग चार्ज 500 पीकेआर बढ़ा दिया है। ये बदलाव पेट्रोल की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी के बाद हुए हैं।

बैंकॉक : बार में आग लगने से 27 लोगों की मौत, 8 गंभीर

बैंकॉक: थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में बीती रात एक बार में आग लगने से कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई है और आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। देश के प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नविराकुल ने यह जानकारी दी। बीबीसी के एक रिपोर्ट के अनुसार आधी रात के ठीक बाद अग्निशमन विभाग को मौके पर बुलाया गया। उन्होंने देखा कि लोग आग की लपटों से घिरे हुए बार के मुख्य दरवाजे से बाहर भाग रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि आग ड्रिंक्स और लाइव म्यूज़िक के लिए मशहूर इस जगह पर स्टेज के पास लगी और तेजी से फैल गई, जिससे बिजली चली गई और कमरा धुएं से भर गया। एक्स पर पोस्ट किए गए वीडियो में बार से आग की लपटें निकलती दिख रही हैं और लोग बाहर भाग रहे हैं; कुछ लोग चीख रहे हैं तो कुछ गिर रहे हैं। प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नविराकुल ने कहा कि आग लगने की आधिकारिक वजह का अभी पता लगाया जा रहा है। एक वीडियो से ली गई तस्वीर में बार से आग का गोला निकलता दिख रहा है। इस फुटेज में मुख्य दरवाजे से आग की लपटें निकलती दिख रही हैं और लोग जान बचाने के लिए आग के बीच से भाग रहे हैं। दमकलकर्मी आधी रात के ठीक बाद मौके पर पहुंचे। बताया जाता है कि स्थानीय समय के अनुसार रात 11:30 बजे के आसपास वहाँ से गुजर रहे एक चालक ने बार में आग लगी देखी थी। उसने स्थानीय समाचार आउटलेट डेली न्यूज को बताया कि वह अपनी कार से बाहर निकला और दो लोगों को बचाने के लिए खिड़कियां तोड़ीं। प्रधानमंत्री अनुतिन ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने एक संगीतकार से बात की, जो आग लगने के समय अपनी प्रस्तुति दे रहा था। उसने बताया कि क्या हुआ था। उसने बताया कि कट-आउट स्विच में आग लगी थी और उसके बाद सब कुछ बहुत तेजी से हुआ। धमाके हुए और हर कोई धुएँ और आग की लपटों से बचने के लिए भागने की कोशिश करने लगा। उनमें से कई लोग बाहर नहीं निकल पाए क्योंकि वे बिल्डिंग के पिछले हिस्से में चले गए थे और धुएँ और आग से बचने के लिए टॉयलेट में छिपने की कोशिश कर रहे थे, और वहीं हमें ज्यादातर शव मिले।

23 साल की कानूनी लड़ाई के बाद पिता को मिला इंसाफ

बेटी की मौत मामले में हाईकोर्ट ने 37 लाख मुआवजा देने का दिया आदेश

मुंबई : बॉम्बे हाईकोर्ट ने 23 वर्षों तक न्याय के लिए संघर्ष कर रहे एक पिता के पक्ष में अहम फैसला सुनाते हुए बीमा कंपनी को 37 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया है। अदालत ने माना कि 12 वर्षीय बेटी को सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद 16 वर्षों तक कोमा में देखना और उसकी देखभाल करना किसी भी माता-पिता के लिए असहनीय पीड़ा है, जिसकी भरपाई धन से नहीं की जा सकती।

साल 2003 में हुआ था दर्दनाक हादसा: मामला महाराष्ट्र के नासिक का है। वर्ष 2003 में 12 वर्षीय बच्ची ट्यूशन से साइकिल पर घर लौट रही थी, तभी एक तेज रफ्तार वैन ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई और कोमा में चली गई। इसके बाद वह करीब 16 वर्षों तक कोमा में रही। वर्ष 2019 में उसकी मृत्यु हो गई।

बेटी की सेवा में बीत गए 16 साल: इस दौरान बच्ची के पिता ने उसकी देखभाल में अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। इलाज, दवाइयों, अस्पतालों के चक्कर और घर पर विशेष देखभाल के कारण परिवार पर भारी आर्थिक बोझ पड़ा। इसी बीच बच्ची की मां का भी निधन हो गया, जिसके बाद बेटी की देखभाल और परिवार की जिम्मेदारी अकेले पिता के कंधों पर आ गई।

राम मंदिर चंदा घोटाले पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, मांगा स्टेटस रिपोर्ट

सीबीआई जांच की मांग पर अगले हफ्ते होगी सुनवाई

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) से स्टेटस रिपोर्ट मांगा। कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले में कोर्ट की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग करने वाली याचिकाओं पर

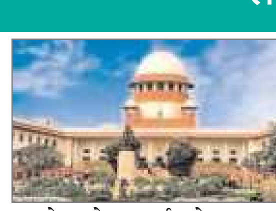

अगले हफ़्ते सुनवाई करेगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली बेंच ने केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किए। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई एसआईटी को जांच की प्रगति और जांच टीम के गठन की जानकारी देते हुए स्टेटस रिपोर्ट जमा करने का भी निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान, सॉलिसिटर जनरल ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी करने का विरोध किया। हालांकि, बेंच ने ट्रस्ट को भी नोटिस जारी कर दिया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि चूंकि एक एसआईटी पहले ही गठित की जा चुकी है और जांच चल रही है, इसलिए कोर्ट याचिकाकर्ताओं द्वारा मांगी गई आगे की राहतों पर विचार करने से पहले अब तक हुई प्रगति की समीक्षा करना चाहता था।

सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को बताया कि स्टेटस रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में जमा की जाएगी। जब याचिकाकर्ताओं ने रिपोर्ट की कॉपी मांगी, तो सॉलिसिटर जनरल ने इस मांग का विरोध किया। चीफ जस्टिस ने कहा कि आप कानून जानते हैं... आखिरकार वे रिपोर्ट देख ही लेंगे। सुनवाई के दौरान बेंच ने हल्के-फुल्के अंदाज में एक वकील से कहा कि आपको यहां चिल्लाने की जरूरत नहीं है क्योंकि आपको अपनी आवाज बाहर के लिए बचानी है।

समाचार सार

आंगनबाड़ी सेविका चयन प्रक्रिया में अनियमितता को लेकर बीडीओ को सौंपा शिकायत पत्र

मुरी: प्रखंड क्षेत्र के बांसारूली गांव में आंगनबाड़ी सेविका चयन प्रक्रिया को लेकर अनियमितता बरतने का आरोप लगाते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) को शिकायत पत्र सौंपा गया है। शिकायतकर्ता आवेदिका ने चयन प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की है। सौंपे गए आवेदन में कहा गया है कि 29 जून 2026 को आयोजित आमसभा के दौरान आंगनबाड़ी सेविका के चयन में नियमों की अनदेखी की गई। आरोप है कि चयन प्रक्रिया में पात्र अभ्यर्थियों की उपेक्षा कर पक्षपातपूर्ण तरीके से निर्णय लिया गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि चयनित अभ्यर्थी को लेकर गांव में असंतोष है तथा चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं। बीडीओ से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर चयन प्रक्रिया को रद्द करते हुए फिर से आमसभा आयोजित कराने की मांग की है ।

कथित अवैध वसूली और पर्स चोरी के आरोप में ट्रेलर चालकों ने किया सड़क जाम, दो घंटे बाधित रहा यातायात

खूंटी: रांची-खूंटी-कोलेबिरा मुख्य मार्ग पर मरचा के समीप कथित पर्स चोरी और रोड सेफ्टी के नाम पर अवैध वसूली के आरोप में ट्रेलर चालकों ने करीब दो घंटे तक सड़क जाम कर दिया। जाम के कारण मार्ग के दोनों ओर भारी वाहनों की लंबी कतार लग गई और आवागमन पूरी तरह प्रभावित रहा। जानकारी के अनुसार ट्रेलर चालक गौतम कुमार, जो मुंबई की ओर जा रहा था, ने आरोप लगाया कि मरचा के पास कुछ लोग रोड सेफ्टी के नाम पर वाहनों में स्टीकर लगा रहे थे। चालक द्वारा स्टीकर लगवाने से इनकार करने के दौरान उसका पर्स कथित रूप से चोरी हो गया। घटना की सूचना मिलते ही अन्य ट्रेलर एवं भारी वाहन चालक आक्रोशित हो गए और विरोधस्वरूप करीब दो घंटे तक सड़क जाम रहने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात पूरी तरह ठप हो गया। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी श्यामल कुंभकार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने वाहन चालकों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया और मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद चालकों ने जाम समाप्त कर दिया, जिससे मार्ग पर यातायात सामान्य हो सका।

वहीं स्थानीय वाहन चालकों का कहना है कि मरचा के पास अक्सर रोड सेफ्टी नियमों के नाम पर वाहनों में स्टीकर लगाने का अभियान चलाया जाता है। उनका आरोप है कि इस दौरान कुछ कर्मचारियों द्वारा चालकों से राशि भी ली जाती है, जिसको लेकर पहले भी कई बार वाहन चालकों ने आपत्ति जताई है। हालांकि, इस मामले में संबंधित विभाग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आरोपों की सत्यता की जानकारी जुटाई जा रही है।

बजरंग दल का 2000+ पौधरोपण अभियान शुरू, पहले चरण में 250 से अधिक पौधे लगाये गये

खूंटी: विश्व हिंदू परिषद- बजरंग दल, जिला खूंटी द्वारा सेवा सप्ताह के तहत 2000 से अधिक वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान का नेतृत्व जिला सह संयोजक कर्मवीर महतो ने किया। पहले चरण में विश्व जागृति मिशन आदिवासी पब्लिक स्कूल, कुंजला सहित विभिन्न स्थानों पर 250 से अधिक पौधे लगाए गए। इसके अलावा खूँटी के सोसोटोली में 20 तथा कर्रा प्रखंड के कुडलुम में 20 पौधों का रोपण किया गया। संगठन ने बताया कि आने वाले दिनों में पूरे जिले में चरणबद्ध तरीके से 2000 से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला सह संयोजक कर्मवीर महतो ने कहा कि वृक्षारोपण केवल पौधे लगाने का कार्य नहीं, बल्कि प्रकृति, समाज और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने सभी युवाओं एवं नागरिकों से एक व्यक्ति- एक पौधा का संकल्प लेने और लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बजरंग दल सेवा कार्यों के माध्यम से समाज और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाता रहेगा। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के जिला कोषाध्यक्ष प्रवीण जायसवाल ने भारतीय संस्कृति में वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वहीं कर्रा प्रखंड गौ रक्षा प्रमुख पवन सिंह राठौर ने भी अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनके संरक्षण पर जोर दिया। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद जिला कोषाध्यक्ष प्रवीण जायसवाल, बजरंग दल जिला सह संयोजक कर्मवीर महतो, खूँटी प्रखंड सह संयोजक अभिषेक साहू, खूँटी नगर मिलन प्रमुख श्रीकांत कश्यप, कर्रा प्रखंड गौ रक्षा प्रमुख पवन सिंह राठौर, ओम ठाकुर, मनोरंजन स्वांसी सहित विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मानवता शर्मसार

3 साल की मासूम से दुष्कर्म, पंचायत ने लगाया एक लाख जुर्माना

की 20 हजार की शराब-मांस पार्टी

संवाददाता

रांची/गुमला : झारखंड के गुमला जिले से एक ऐसा हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जिसने न सिर्फ इंसानियत बल्कि सामाजिक और प्रशासनिक व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यहाँ एक तीन साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म की वारदात के बाद पुलिस को सूचना देने के बजाय गाँव में ही पंचायत बैठा दी गई। आरोप है कि पंचायत ने कानून को ताक पर रखकर आरोपी पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया और मामले को रफा-दफा करने की कोशिश की।

इतना ही नहीं, क्रूरता और संवेदनहीनता की हद तब पार हो गई जब आरोपी द्वारा मौके पर दिए गए 20 हजार रुपये से गाँव के कुछ लोगों ने शराब और मांस की पार्टी कर डाली। यह पूरा मामला तब उजागर हुआ, जब गांव के ही एक जागरूक नागरिक ने गुप्त रूप से पुलिस को इसकी सूचना दे दी।

घटना घाघरा थाना क्षेत्र के पलमा गांव की है। पुलिस के अनुसार, घटना शाम करीब चार बजे की है। आरोपी सुनील लोहरा पीड़िता के घर पहुँचा। उस समय घर में बच्ची अपनी मां के साथ थी। आरोपी ने महिला से कहा कि वह बच्ची को संभाल लेता है, तब तक वह अपना काम निपटा ले।

पड़ोसी पर भरोसा कर माँ अपने काम में लग गई। इसी बीच आरोपी बच्ची को अपने साथ कमरे में ले गया। कुछ देर बाद जब कमरे से बच्ची के चीखने-चिल्लाने और रोने की आवाज आई, तो माँ भागकर वहां पहुँची। बच्ची लहूलुहान और गंभीर रूप से घायल थी। इसके बाद परिवार को दुष्कर्म का पता चला और पूरे गाँव में हड़कंप मच गया।

इतने गंभीर अपराध के बाद सबसे पहला काम पुलिस को सूचना देना था, लेकिन गाँव के कुछ रसूखदार लोगों ने मामले को दबाने की योजना बनाई। पहले बच्ची को गुपचुप तरीके से एक निजी डॉक्टर के पास ले जाया गया। इसके बाद रविवार को बाकायदा पंचायत बुलाई गई।

पंचायत के सदस्यों ने कानून को अपने हाथ में लेते हुए आरोपी पर 1 लाख रुपये का जुर्माना ठोक दिया। सूत्रों के मुताबिक, आरोपी ने मौके पर ही 20 हजार रुपये नकद दे दिए, जबकि बाकी के 80 हजार रुपये एक हफ्ते के भीतर देने का फरमान सुनाया गया।

मामले का सबसे घिनौना और संवेदनहीन पहलू यह रहा कि आरोपी से वसूले गए 20 हजार रुपये से गांव में तुरंत शराब और मांस की पार्टी शुरू हो गई। पंचायत के फैसले से खुश होकर कुछ लोग उसी रकम से जश्न मना रहे थे और पीड़िता का परिवार रसूखदारों के दबाव में आंसू बहा रहा था।

इसी जश्न के बीच घाघरा थाना पुलिस को किसी ने गुप्त सूचना दे दी कि पलमा गांव में इतनी बड़ी वारदात को पंचायत के जरिए दबाया जा रहा है। सूचना मिलते ही घाघरा थाना प्रभारी मोहन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम तत्काल गाँव पहुँची। पुलिस को देख जश्न मना रहे लोगों में हड़कंप मच गया।

पुलिस ने मुख्य आरोपी सुनील लोहरा को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पीड़िता की माँ का हौसला बढ़ा और उन्होंने थाने में लिखित बयान दर्ज कराया, जिसके आधार पर पॉक्सो एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है।

पुलिस का साफ कहना है कि साक्ष्य प्रभावित करने और अपराध छिपाने के आरोप में पंचायत के ठेकेदारों पर भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उधर, अरंगी पंचायत के मुखिया लोदो एक्का ने इस पूरे मामले से खुद को अलग कर लिया है। उन्होंने कहा कि पलमा गाँव में हुई इस गुप्त बैठक की उन्हें पहले से कोई जानकारी नहीं थी। पुलिस के आने के बाद ही उन्हें इस घटना का पता चला।

लातेहार में आदिम जनजाति आवासीय विद्यालय से छह बच्चे भागे, सुरक्षा पर उठे सवाल

संवाददाता

लातेहार: जिला के मनिका प्रखंड स्थित आदिम जनजाति आवासीय विद्यालय से 6 बच्चे भाग गए थे। हालांकि पुलिस ने सभी बच्चों को सुरक्षित बरामद कर लातेहार बाल कल्याण समिति को सौंप दिया है। लेकिन आवासीय विद्यालय परिसर से छोटे-छोटे बच्चों के भाग जाने की घटना ने विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा दिए हैं।

दरअसल, आदिम जनजाति आवासीय विद्यालय में कक्षा 5 तक के बच्चों को पूरी तरह निशुल्क आवासीय व्यवस्था के तहत पढ़ाई की व्यवस्था है। यहां की सुरक्षा व्यवस्था हमेशा सवाल के घेरे में रहता है। यहां से 6 बच्चे फरार हो गए। हालांकि पुलिस की तत्परता के कारण सभी बच्चों को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी द्वारा सभी बच्चों को बाल कल्याण समिति लातेहार को लिखित रूप से सुपुर्द कर दिया गया।

इस संबंध में पूछने पर बाल कल्याण समिति लातेहार के सदस्य कुंदन कुमार गोप ने बताया कि बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी द्वारा सभी बच्चों को बाल कल्याण समिति को सुपुर्द किया गया है।

रविवार को सार्वजनिक छुट्टी होने के कारण बाल कल्याण समिति द्वारा बच्चों की काउंसलिंग नहीं की गई। सोमवार को सभी बच्चों की काउंसलिंग की जाएगी। बच्चों की काउंसलिंग करने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवालः यहां बता दें कि लगभग 20 दिन पहले इसी स्कूल के तीन बच्चे भाग गए थे। हालांकि तीनों बच्चों को ग्रामीणों की तत्परता के कारण सुरक्षित बरामद कर लिया गया था और बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी को सुपुर्द कर दिया गया था। घटना के बाद प्रखंड कल्याण पदाधिकारी अभिषेक कुमार ने स्कूल पहुंचकर पूरे मामले की जांच की थी और यहां की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल भी उठाए थे।

इस जांच के क्रम में बच्चों ने यह भी बताया था कि उन्हें ना तो स्कूल में अच्छे से खाना दिया जाता है और ना ही उनके साथ अच्छा बर्ताव होता है। इसीलिए बच्चे अपने घर भाग रहे थे। कल्याण पदाधिकारी द्वारा विद्यालय प्रबंधन को कड़े निर्देश दिए गए, परंतु 20 दिन के बाद ही फिर से बच्चों के भागने की घटना घट गई। यह तो गनीमत रही कि सही समय पर पुलिस सभी बच्चों को सुरक्षित बरामद कर बाल कल्याण समिति को सौंप दी।

खूंटी पुलिस को बड़ी सफलता

पीएलएफआई का सक्रिय उग्रवादी हथियार और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार

खूंटी: पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के एक सक्रिय और कई मामलों में वांछित उग्रवादी को पुलिस ने हथियार और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार उग्रवादी की पहचान राजेन्द्र साहू उर्फ राजेन्द्र साव उर्फ मास्टर के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक देशी पिस्तौल और चार जिंदा गोलियां बरामद की हैं। आइए जानते हैं पूरी खबर। खूंटी पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग को गुप्त सूचना मिली थी कि पीएलएफआई का सक्रिय एवं कई कांडों में वांछित उग्रवादी राजेन्द्र साहू उर्फ राजेन्द्र साव उर्फ मास्टर मुरहू थाना क्षेत्र के अपने गांव गम्हरिया में मौजूद है। सूचना मिलते ही एसपी ऋषभ गर्ग के निर्देश पर तोरपा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विजय कुमार के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। टीम में तोरपा थाना प्रभारी मनीष कुमार और सशस्त्र बल के जवानों को शामिल किया गया। छापामारी दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गम्हरिया गांव में छापेमारी की और वांछित उग्रवादी राजेन्द्र साहू को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देशी पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार उग्रवादी के खिलाफ मुरहू, तोरपा, कर्रा और खूंटी थाना में कई आपराधिक एवं उग्रवादी गतिविधियों से जुड़े मामले दर्ज हैं। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है और उसके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी जानकारी जुटाई जा रही है । फिलहाल पुलिस इस गिरफ्तारी को पीएलएफआई के खिलाफ बड़ी कार्रवाई मान रही है। साथ ही गिरफ्तार उग्रवादी से पूछताछ के आधार पर संगठन से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश भी तेज कर दी गई है।

पठान तंजीम के एसआईआर सहायता शिविर में उमड़ी भीड़, 400 से अधिक लोगों ने भरा फॉर्म

संरक्षक अशरफ खान चुन्नू और अध्यक्ष अय्यूब राजा खान ने कहा— हर पात्र मतदाता तक पहुंचेगी मदद, अभियान रहेगा जारी

मेट्रो रेज

रांची: सामाजिक संस्था पठान तंजीम द्वारा रविवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत आयोजित विशेष सहायता शिविर में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। शिविर में करीब 400 से 500 लोगों ने पहुंचकर एसआईआर से संबंधित फॉर्म भरे तथा आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। संस्था के लोगों ने पूरे दिन लोगों की हरसंभव सहायता की।

इस अवसर पर पठान तंजीम के संरक्षक अशरफ खान चुन्नू ने कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज के प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंचकर उसे एसआईआर प्रक्रिया में सहयोग देना है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति का नाम केवल जानकारी के अभाव में मतदाता सूची से छूटना नहीं चाहिए। इसी सोच के साथ यह विशेष शिविर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने लाभ उठाया। पठान तंजीम के अध्यक्ष अय्यूब राजा खान ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया को लेकर लोगों में कई तरह की शंकाएं थीं, जिन्हें शिविर के माध्यम से दूर किया गया। उन्होंने बताया कि संस्था के सभी लोग आगे भी अलग-अलग मोहल्लों में जाकर लोगों की सहायता करेंगे और निर्वाचन आयोग एवं जिला प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार फॉर्म भरने में सहयोग देंगे।

उन्होंने बताया कि शिविर में पहुंचे अधिकांश लोगों के फॉर्म सफलतापूर्वक भरवाए गए तथा जिन लोगों के दस्तावेज अधूरे थे, उन्हें आवश्यक कागजात की जानकारी देकर जल्द प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी गई।

शिविर को सफल बनाने में संरक्षक अशरफ खान चुन्नू, हाजी गुलाम कादिर रब्बानी, अध्यक्ष अय्यूब राजा खान, वसीम खान बबलू, शहजाद बबलू, तौसीफ खान, रिजवान खान, शमशु खान, मेराज खान, तबरेज खान, अशफाक बबलू, हाजी फिरोज जिलानी, शाहिद टुकलू, शोएब खान, अजहर खान, फैसल खान, अरबाज खान, आमिर खान, मोहम्मद इस्लाम, एजाज गद्दी, निगार तनवीर, मंसूर आलम, खालिद उमर, परवेज पप्पू, सज्जाद इदरीसी, तमो गद्दी, मोहम्मद सोनू, माजिद आलम, गुफरान खान, रुमान रब्बानी, नौशाद कादरी और शम्स कमर लड्डन सहित संस्था के अनेक पदाधिकारियों एवं गणमान्य लोगों ने सक्रिय भूमिका निभाई। पठान तंजीम ने कहा कि आगामी दिनों में भी इस तरह के सहायता शिविर आयोजित किए जाएंगे, ताकि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान कोई भी योग्य मतदाता आवश्यक सहयोग से वंचित न रहे।

झारखंड के जेल आईजी सुदर्शन मंडल को आया हार्ट अटैक, सैमफोर्ड में भर्ती

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड कैडर के 2006 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी और वर्तमान में जेल आईजी सुदर्शन मंडल को लेकर एक बड़ी और चिंताजनक खबर सामने आई है। सोमवार को अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें रांची के कोकर स्थित सैमफोर्ड अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक, उन्हें दिल का दौरा पड़ा है, जिसके बाद उन्हें तुरंत आईसीयू में शिफ्ट किया गया।

आईसीयू में चल रहा है इलाज, डॉक्टरों की टीम तैनात: अस्पताल के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आईपीएस सुदर्शन मंडल को जब अस्पताल लाया गया, तब उन्हें सीने में तेज दर्द और बेचैनी की शिकायत थी। डॉक्टरों की एक विशेष टीम लगातार उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। फिलहाल उन्हें आईसीयू में रखकर जरूरी कार्डिएक ट्रीटमेंट और टेस्ट किए जा रहे हैं। अस्पताल प्रबंधन या पुलिस विभाग की ओर से अभी तक उनका आधिकारिक हेल्थ बुलेटिन जारी नहीं किया गया है, लेकिन उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

2006 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं सुदर्शन मंडल: सुदर्शन मंडल 2006 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी है। झारखंड पुलिस महकमे में उनकी गिनती एक बेहद गंभीर और कर्तव्यनिष्ठ अफसर के रूप में होती है। वर्तमान में वे जेल आईजी के महत्वपूर्ण पद पर तैनात हैं। इससे पहले भी वे राज्य में कई अहम और संवेदनशील पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं।जेल आईजी को हार्ट अटैक आने की खबर मिलते ही पुलिस महकमे और प्रशासनिक गलियारे में चिंता की लहर दौड़ गई है। खबर मिलते ही पुलिस विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी, उनके सहयोगी और शुभचिंतक उनका हालचाल जानने के लिए सैमफोर्ड अस्पताल पहुंच रहे हैं।

मौजा के पाहन व बुद्धिजीवी के नेतृत्व में आषाढ़ी पूजा धूमधाम से संपन्न

मेट्रो रेज

रांची: बिरसा विकास जन कल्याण समिति मिसिर गोंदा के तत्वावधान में आयोजित आषाढ़ी पूजा मौजा के पाहन बिरसा मुंडा एवं बुद्धिजीवी चिलगु उरांव के नेतृत्व में अषाढ़ी पूजा अखड़ा एवं देवी मड़ई में पारंपरिक , विधि-विधान पूजा पद्धति एवं रीति रिवाज के साथ बकरा एवं मुर्गो की बलि देकर पूजा सम्पन्न किया गया ।

मौजा के पाहन बिरसा मुंडा एवं बुद्धिजीवी चिलगु उरांव ने कहा कि आषाढ़ी पूजा आदिवासियों के जीवन मे बहुत महत्वपूर्ण अंग है! पूरा जीवन कृषि पर निर्भर है, गांव में अच्छी बारिश , गांव की खुशहाली, सुख-शान्ति, दुख -रोग से निरोग , समृद्धि की कामना, सामुहिक एकरूपता के साथ देवी मड़ई से मन्नत मांगा ।

समिति के अध्यक्ष अनिल उराँव ने कहा कि आदिवासी समाज मे आषाढ़ी पूजा की परंपरा सदियों से चली आ रही जो कि और यह पूजा आज भी आदिवासी समाज में पूरे विधिविधान , पूजा पद्धति, परंपरागत एवं हर्षोल्लास के साथ आषाढ़ माह चढ़ने के बाद पूरे राज्य में यह पूजा मनाया जाता है । इस पूजा में उन्नत कृषि के संरक्षण संवर्धन , समयानुकूल पर्याप्त बारिश और फसलों के रोग विध्न आदि निवारण के लिए किया जाता है । इस पूजा में मुख्य रूप से एतवा मुंड, सुरेश टोप्पो, जग्गनाथ उराँव, अजय उराँव, जितवा उराँव,गंगा कच्छप,कृष्णा उराँव,ललित लिंडा ,सुरेश बांडो, जय बांडो, राजा नायक , बसंती कुजूर , शांति उराँव , पुतुल कच्छप, लीला उराँव,मुनी उराँव, तारा देवी सहित गांव के सभी लोग उपस्थित थे ।

भाजपा नेता श्रीनिवास को पुलिस ने हिरासत में लिया,पूछताछ के लिए ले गयी साथ

मेट्रो रेज

रांची: भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के सक्रिय नेता और प्रदेश अध्यक्ष पद के आगामी चुनाव की दौड़ में प्रमुख दावेदार माने जा रहे भाजपा नेता श्रीनिवास को सोमवार को रांची के कांके थाना क्षेत्र से पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुलिस उन्हें पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई है। आज भी आंदोलन की बैठक में शामिल होने के लिए जाते हुए श्रीनिवास को कांके से पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। हाल में ही हुए सीआरपीएफ जवान की मौत के बाद श्रीनिवास ने चतरा में आंदोलन शुरू किया था। हालांकि, हिरासत में लिए जाने के पीछे पुलिस की ओर से आधिकारिक रूप से विस्तृत जानकारी अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है।

बताया जा रहा है कि श्रीनिवास पिछले कई दिनों से झारखंड में कथित अवैध कोयला परिवहन और खनन के खिलाफ लगातार मुखर रहे हैं। वे इस मुद्दे को लेकर लगातार आंदोलन, धरना और जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। सोमवार को भी वे इसी विषय पर आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान कांके क्षेत्र में पुलिस ने उन्हें रोककर हिरासत में ले लिया।

सूत्रों के अनुसार, हाल ही में चतरा जिले में एक सीआरपीएफ जवान की मौत के बाद श्रीनिवास ने वहां की कानून-व्यवस्था और अवैध गतिविधियों को लेकर आंदोलन शुरू किया था। उन्होंने कई बार सार्वजनिक मंचों से आरोप लगाया कि अवैध कोयला कारोबार और उससे जुड़े नेटवर्क पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। उनका कहना रहा है कि राज्य में अवैध खनन और कोयले की तस्करी के कारण सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंच रहा है और आम लोगों की सुरक्षा भी प्रभावित हो रही है।

श्रीनिवास लगातार सोशल मीडिया और जनसभाओं के माध्यम से इस मुद्दे को उठाते रहे हैं। उनके समर्थकों का दावा है कि वे अवैध कारोबार के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठा रहे हैं और इसी कारण उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। वहीं, पुलिस का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी है और पूछताछ पूरी होने के बाद ही आगे की कार्रवाई स्पष्ट होगी।

श्रीनिवास को हिरासत में लिए जाने की खबर सामने आते ही उनके समर्थकों और भाजपा कार्यकर्ताओं में हलचल तेज हो गई। कई कार्यकर्ताओं ने इसे राजनीतिक दबाव की कार्रवाई बताते हुए विरोध जताया है। दूसरी ओर, प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले को कानून के दायरे में रहकर देखा जा रहा है और किसी भी व्यक्ति के साथ नियमों के अनुसार ही कार्रवाई की जाएगी।

राजनीतिक गलियारों में इस घटनाक्रम को भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पद के संभावित चुनाव से भी जोड़कर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि श्रीनिवास की सक्रियता और संगठन में बढ़ती पकड़ के कारण वे प्रदेश राजनीति में एक उभरते हुए युवा चेहरे के रूप में सामने आए हैं। ऐसे समय में उनकी हिरासत ने राजनीतिक चचाओं को और तेज कर दिया है।

फिलहाल पुलिस की पूछताछ जारी है और सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि पूछताछ के बाद श्रीनिवास को रिहा किया जाएगा या उनके खिलाफ किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस पूरे घटनाक्रम पर भाजपा की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया आने का भी इंतजार किया जा रहा है।

रिम्स में अग्निशमन मॉक ड्रिल व प्रशिक्षण कार्यक्रम

मेट्रो रेज

रांची: रिम्स के प्रबंधन विभाग की ओर से अस्पताल परिसर में अग्निशमन मॉक ड्रिल और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य अस्पताल में आग जैसी आपात स्थिति के दौरान मरीजों, स्वास्थ्यकर्मियों और अन्य लोगों की सुरक्षित निकासी तथा प्रभावी आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

आपात स्थिति में बचाव के तरीके: मॉक ड्रिल के दौरान आग लगने की स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया देने, आग पर शुरूआती स्तर पर काबू पाने और अग्निशमन यंत्रों के सही उपयोग का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। साथ ही यह भी बताया गया कि आपात स्थिति में अस्पताल के अंदर फंसे लोगों को सुरक्षित तरीके से कैसे बाहर निकाला जाए और मरीजों को स्ट्रेचर या अन्य सुरक्षित तरीकों से तत्काल सुरक्षित स्थान तक कैसे पहुंचाया जाए

सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने के निर्देश : प्रशिक्षण के दौरान सभी प्रतिभागियों को आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय निर्धारित असेंबली प्वाइंट पर पहुंचने और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने के निर्देश दिए गए। आग के विभिन्न प्रकार, उनसे बचाव के उपाय और आपदा के समय अपनाई जाने वाली सावधानियों की भी जानकारी दी गई।

300 लोगों ने प्रशिक्षण में लिया हिस्सा: इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में डिप्टी मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ शैलेश त्रिपाठी भी मौजूद रहे। साथ में अन्य डॉक्टर, चिकित्सा पदाधिकारी, नर्सिंग स्टाफ, छात्र-छात्राएं, पैरामेडिकल कर्मी, सुरक्षा कर्मी, सफाई एवं रसोई कर्मी, आउटसोर्स कर्मचारी, मरीज और उनके परिजन सहित लगभग 300 लोगों ने भाग लिया।

उर्दू लाइब्रेरी में लगा एसआईआर सहायता शिविर, बड़ी संख्या में लोगों ने भरा फॉर्म

गुलाम शाहिद

रांची: मेन रोड स्थित उर्दू लाइब्रेरी में रविवार को एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) फॉर्म भरने के लिए विशेष सहायता शिविर लगाया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और स्वयंसेवकों की मदद से अपने फॉर्म भरकर जमा करने की प्रक्रिया पूरी की।

शिविर का उद्देश्य फॉर्म भरने में लोगों को आ रही समस्याओं का समाधान करना तथा पात्र मतदाताओं को समय पर आवेदन करने में सहयोग देना था। मुस्लिम यूनाइटेड फ्रंट के अध्यक्ष महफूज आलम और महासचिव मोहम्मद नसीम के नेतृत्व में पूरे दिन लोगों को फॉर्म भरने, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी देने और प्रक्रिया समझाने का कार्य किया गया।

शिविर के संचालन में सुहेब खान उर्फ राजू खान, फिरोज अख्तर उर्फ रैंबो, लाडले खान और मास्टर साहब ने सक्रिय भूमिका निभाई। सभी स्वयंसेवक पूरे दिन मौजूद रहकर लोगों की हरसंभव सहायता करते रहे। मौके पर महफूज आलम ने कहा कि जनहित को ध्यान में रखते हुए आगे भी ऐसे सहायता शिविर लगाए जाएंगे, ताकि जानकारी के अभाव में कोई भी पात्र व्यक्ति एसआईआर प्रक्रिया से वंचित न रह जाए। शिविर में पहुंचे लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया।

एसआईआर फॉर्म में लापरवाही न बरतें, हर पात्र मतदाता का नाम वोटर लिस्ट में रहे सुनिश्चित : पार्षद पप्पू

गुलाम शाहिद

रांची: वार्ड संख्या 45 में एसआईआर फॉर्म भरने और जमा करने को लेकर अपेक्षित जागरूकता नहीं दिखने पर पार्षद नसीम गद्दी उर्फ पप्पू ने सोमवार को क्षेत्र का दौरा कर लोगों से सीधे संवाद किया। उन्होंने कहा कि कई परिवारों ने अब तक रक्फ्र फॉर्म प्राप्त नहीं किया है, जबकि कुछ लोग अब भी बीएलओ के घर आने का इंतजार कर रहे हैं। यह लापरवाही अंतिम मतदाता सूची से नाम छूटने का कारण बन सकती है।

क्षेत्र भ्रमण के दौरान पार्षद ने लोगों से अपील की कि सभी पात्र मतदाता अपना रक्फ्र फॉर्म जल्द से जल्द भरकर संबंधित बीएलओ को सौंप दें, ताकि बीएलओ समय पर फॉर्म का सत्यापन कर पोर्टल पर अपडेट कर सकें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में हर पात्र नागरिक का नाम सुरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। पार्षद नसीम गद्दी उर्फ पप्पू ने लोगों से अपने परिवार के साथ-साथ पड़ोसियों और बुजुर्गों की भी रक्फ्र फॉर्म भरने में सहायता करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यदि सभी नागरिक जागरूक होकर सहयोग करें तो वार्ड 45 का कोई भी पात्र मतदाता अंतिम वोटर लिस्ट से वंचित नहीं रहेगा।

एसआईआर पर शमशेर आलम ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से की मुलाकात

रांची : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम ने सोमवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने एसआईआर की प्रक्रिया से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और आम लोगों की चिंताओं से अवगत कराते हुए एक मांग पत्र सौंपा।

शमशेर आलम ने आग्रह किया कि पुनरीक्षण अभियान के दौरान किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं छूटे तथा दस्तावेजों के अभाव में लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता के साथ-साथ आम नागरिकों की सुविधा का भी पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने उन्हें आश्वस्त किया कि एसआईआर अभियान पूरी पारदर्शिता और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप चलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम नहीं छूटेगा। यदि कहीं किसी प्रकार की त्रुटि या शिकायत सामने आती है तो उसका नियमानुसार त्वरित समाधान किया जाएगा। शमशेर आलम ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में नाम दर्ज होना जरूरी है। उन्होंने लोगों से भी अपील की कि वे समय पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपनी प्रक्रिया पूरी करें और किसी प्रकार की समस्या होने पर संबंधित अधिकारियों से संपर्क करें।

एसआईआर में पात्र मतदाता छूटे नहीं, अपात्र मतदाता जुड़े नहीं: सुनील सिंह

रांची: भाजपा नेता सह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (राष्ट्र सेवा फाउंडेशन) सह राष्ट्रीय सचिव (अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा) सह प्रदेश महामंत्री (भारतीय जनता मजदूर संघ) सुनील कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान एसआईआर मतदाता सूची में एक भी पात्र मतदाता छूटे नहीं, और अपात्र मतदाता जुड़े नहीं, इसका ध्यान बीएलओ अथवा बीएलए टू को रखना होगा। सुनील कुमार सिंह ने कहा कि महिलाओं के प्रति विशेष ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि महिलाओं को बहू के रूप में दूसरे जगह से आना, और बेटी के रूप में बाहर जाना होता है, इसलिए बीएलओ, बीएलए 2 अथवा बूथ कमेटी अपने-अपने बूथ की महिलाओं का जरूरी दस्तावेज तैयार कर एसआईआर में नाम जुड़वाने का कार्य करें। उन्होंने विशेष ग्रहण पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय सहयोग करने की अपील की है। क्योंकि निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव के लिए सही मतदाता सूची आवश्यक है। कहा कि रक्फ्र के तहत बीएलओ को घर-घर जाकर मतदाताओं के नाम, पता, उम्र और फोटो का सत्यापन करना है। ऐसे में बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का फॉर्म भरकर रक्फ्र का कार्य पूरा करने का काम करें। कहा कि 18 वर्ष से अधिक आयु के नए मतदाता अपने नाम जुड़वाएं व पता बदलने पर जानकारी अपडेट कराएं तथा मृत या स्थानांतरित मतदाताओं की सूचना दें। श्री सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क है।

देशभर में चल रहे एसआईआर के बीच बड़ा बदलाव

नए वोटरों के लिए फॉर्म 6 में जोड़ा गया नया सेक्शन

संवाददाता

रांची/नई दिल्ली : भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने देश भर में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) यानी मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण अभियान के बीच एक बेहद महत्वपूर्ण बदलाव किया है। चुनाव आयोग ने नए मतदाताओं के रजिस्ट्रेशन के लिए इस्तेमाल होने वाले फॉर्म 6 में एक नया सेक्शन जोड़ दिया है। इस नए सेक्शन के तहत अब आवेदकों से उनके माता-पिता या परिवार के पूर्व चुनावी इतिहास की जानकारी मांगी जा रही है।

जानकारी के लिए बता दें कि चुनाव आयोग द्वारा चल रहे अभियान के बीच में यह कदम उठाने के पीछे पिछले अनुभवों और उपजे विवादों को बड़ी वजह माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल 10 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में चलाए गए रक्फ्र अभियान के बाद करीब 5.58 करोड़ से ज्यादा लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए थे।

इतने बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने का असर उनके बच्चों पर भी पड़ा। उदाहरण के लिए पश्चिम बंगाल में अप्रैल 2026 में हुए विधानसभा चुनाव से ठीक पहले करीब 27 लाख वोटरों के नाम लिस्ट से कट गए जिससे वे मतदान नहीं कर पाए और उनकी शिकायतें अब भी लंबित हैं। इसी तरह की दिक्कतों को दूर करने के लिए यह नया सेक्शन जोड़ा गया है।

फॉर्म-6 में जुड़े 3 नए विकल्प

ईसीआईनेट पोर्टल पर सामने आए नए फॉर्म के मुताबिक आवेदकों को अब एक नए डिक्लेरेशन (घोषणा पत्र) में तीन में से किसी एक विकल्प को चुनना होगा:

पहला विकल्प: मेरा नाम पिछली एसआईआर की वोटर लिस्ट में शामिल है।

दूसरा: मेरे माता-पिता या दादा-दादी का नाम पिछली एसआईआर की वोटर लिस्ट में है।

तीसरा: न तो मेरा नाम और न ही मेरे माता-पिता का नाम पिछली वोटर लिस्ट में है।

यदि कोई आवेदक पहले दो विकल्पों में से किसी एक को चुनता है तो उसे अपनी विधानसभा सीट का नाम, बूथ नंबर और पिछली वोटर लिस्ट में दर्ज सीरियल नंबर की पूरी जानकारी देनी होगी। वहीं तीसरा विकल्प चुनने की स्थिति में आगे क्या प्रक्रिया होगी इसके बारे में फॉर्म में स्पष्ट नहीं किया गया है। हालांकि यह नया सेक्शन वैकल्पिक नहीं है इसे भरे बिना ऑनलाइन फॉर्म सबमिट नहीं हो पा रहा है।

जानें किन लोगों के लिए होता है फॉर्म-6 ?

वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 का इस्तेमाल मुख्य रूप से तीन परिस्थितियों में किया जाता है। जो युवा हाल ही में 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं और पहली बार वोटर बन रहे हैं। ऐसे भारतीय नागरिक जो विदेश से लौटे हों या नागरिकता मिलने के बाद देश के वैध मतदाता बनना चाहते हों। ऐसे लोग जिनका नाम किसी वजह से वोटर लिस्ट से हटा दिया गया था और वे दोबारा अपना नाम जुड़वाना चाहते हैं।

बता दें कि चुनाव आयोग ने फरवरी 2026 में देश के 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में रक्फ्र कराने का एलान किया था जहां अप्रैल 2026 से यह प्रक्रिया जोर-शोर से चल रही है। आंध्र प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, ओडिशा, झारखंड, तेलंगाना, उत्तराखंड, लद्दाख, चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा में काम जारी है जबकि बिहार में यह काम पूरा हो चुका है।

इससे पहले साल 2025 में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, गुजरात, केरल, गोवा, पुडुचेरी, अंडमान निकोबार और लक्षद्वीप में एसआईआर प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

डीपफेक बनाम आपः एआई के झूठ को पहचानने और बचने के उपाय

एआई के इस दौर ने जहाँ अनगिनत सुविधाएँ दी हैं, वहीं डीपफेक के रूप में गंभीर चुनौती भी खड़ी कर दी है। देश के शीर्ष राजनेता, फि ल्मी सितारे और खिलाड़ी तक इसकी चपेट में आ चुके हैं। जब सबसे बड़े नाम ही सुरक्षित नहीं तो आम आदमी की क्या बिसात? आजकल व्हाट्सएप पर ऐसे वीडियो भी खूब घूम रहे हैं जिनमें कोई प्रसिद्ध अभिनेता या क्रिकेटर पैसा दोगुना करने वाली योजना की गारंटी देता दिखता है। चेहरा असली, आवाज असली, अंदाज भी असली लेकिन पूरा वीडियो झूठा। इसी धोखे का नाम है डीपफेक और यह अब किसी फि ल्मी कहानी की बात नहीं रही। यह आम आदमी के फोन तक पहुँच चुका है।

डीपफेक शब्द अंग्रेजी के डीप लर्निंग और फेक को जोड़कर बना है। सरल भाषा में कहें तो यह एआई की वह तकनीक है जो किसी व्यक्ति के ढेर सारे चित्रों और आवाज के नमूनों से सीखकर उसका हूबहू नकली चेहरा और नकली आवाज गढ़ देती है। कुछ साल पहले तक ऐसा करने के लिए महंगे स्टूडियो और विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती थी। आज मोबाइल के मामूली ऐप यह काम मिनटों में कर देते हैं। यहाँ यह समझना जरूरी है कि तकनीक अपने आप में बुरी नहीं होती। इसी तकनीक से फि ल्मों की डबिंग सुधर रही है और इतिहास के पात्र कक्षाओं में जीवंत हो रहे हैं। असली समस्या उन लोगों की नीयत है जो इसका इस्तेमाल ठगी और बदनामी के लिए कर रहे हैं।

दुरुपयोग के किस्से अब रोज अखबारों में छप रहे हैं। कहीं परिजन की नकली आवाज में पैसे माँगे जा रहे हैं, कहीं मशहूर हस्तियों के नाम पर नकली निवेश विज्ञापन चल रहे हैं। महिलाओं की तस्वीरों से छेड़छाड़ करके उन्हें बदनाम किया जा रहा है। चुनावों के समय नेताओं के मुँह से ऐसी बातें कहलवाई जाती हैं जो उन्होंने कभी कही ही नहीं। सबसे आसान निशाना वे लोग बनते हैं जो तकनीक की दुनिया से कम परिचित हैं, फिर चाहे वे कितने ही पढ़े-लिखे क्यों न हों। भारत में सस्ता इंटरनेट घर-घर पहुँच चुका है और बिना पढ़े आगे बढ़ा देना हमारी आदत बन गई है। ऐसे में यह झूठ जंगल की आग की तरह फैलता है।

अब सवाल यह है कि बचा कैसे जाए। सबसे पहला और सबसे कारगर उपाय है रुकना। जो सामग्री देखते ही आपको गुस्से, डर या लालच से भर दे, समझ लीजिए कि वह इसी मकसद से बनाई गई है। किसी भी सनसनीखेज वीडियो को आगे बढ़ाने से पहले खुद से तीन सवाल पूछिए- इसे पोस्ट किसने किया है? क्या यह किसी आधिकारिक या भरोसेमंद स्रोत से आया है? क्या किसी प्रतिष्ठित समाचार संस्था ने इसकी पुष्टि की है?

थोड़ा ध्यान से देखने पर डीपफेक अक्सर अपनी पोल खुद खोल देता है। ऐसे वीडियो में पलकों का झपकना अस्वाभाविक लगता है। होंठों की हरकत और आवाज का तालमेल बिगड़ा रहता है। चेहरे के किनारे धुंधले दिखते हैं और रोशनी तथा छाया आपस में मेल नहीं खातीं। कान, बाल या गहनों के आसपास अजीब-सी विकृति नजर आती है। नकली आवाज भी सपाट लहजे, साँसों की कमी और बेतुके ठहराव से पकड़ में आ जाती है। हालाँकि तकनीक सुधरने के साथ ये कमियाँ घटती जा रही हैं इसलिए केवल आँखों पर भरोसा काफी नहीं। गूगल लेंस जैसी सुविधा से किसी तस्वीर का असली स्रोत खोजा जा सकता है और पी.आई.बी. फैक्ट चेक जैसी सेवाओं से वायरल दावों की जाँच हो सकती है। सबसे जरूरी बात, अगर कोई परिजन फोन पर पैसे माँगे तो उसके जाने-पहचाने नंबर पर वापस कॉल कर- के या वीडियो कॉल से पुष्टि कर लीजिए। परिवार में आपस में एक गुप्त कोड शब्द तय रखना भी आज के समय की समझदारी है।

अपनी डिजिटल सुरक्षा पर भी उतना ही ध्यान देना होगा। सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरों और वीडियो की प्राइवेसी सेटिंग सीमित रखिए ताकि अनजान लोग उन तक न पहुँच सकें। अपनी या अपने बच्चों की हर छोटी-बड़ी तस्वीर सार्वजनिक रूप से डालने से पहले एक बार सोच लीजिए क्योंकि यही तस्वीरें डीपफेक बनाने वालों के लिए स्रोत का काम करती हैं। अनजान नंबर से आए कॉल पर लंबी बातचीत से बचिए क्योंकि ठग आपकी आवाज के नमूने रिकॉर्ड कर सकते हैं। और ओ.टी.पी. या बैंक विवरण तो किसी भी हालत में साझा न करें, चाहे सामने वाली आवाज कितनी भी अपनी क्यों न लगे।फिर भी अगर कभी ठगी हो जाए तो घबराने की बजाय तुरंत कदम उठाइए। पैसों की धोखाधड़ी होने पर साइबर हेल्पलाइन 1930 पर फौरन कॉल कीजिए। जितनी जल्दी सूचना देंगे, रकम रुकने की संभावना उतनी ही ज्यादा रहती है। राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल ्रूी१्रु१ी.ॅङ्म५.्रल्ल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज हो सकती है और नजदीकी थाने में भी रिपोर्ट लिखाई जा सकती है। हमारे कानूनों में पहचान की चोरी और छेड़छाड़ की गई सामग्री फैलाने पर सजा का प्रावधान है और शिकायत मिलने पर सोशल मीडिया कंपनियाँ भी ऐसी सामग्री हटाने के लिए बाध्य हैं।

सच पूछिए तो हर दौर में झूठ ने नए रूप धरे हैं और समाज ने परख के नए तरीके सीखे हैं। जब नकली नोट आए तो हमने असली की पहचान करना सीख लिया। अब नकली चेहरे और नकली आवाजें आई हैं तो हमें डिजिटल परख सीखनी होगी। बात बस इतनी-सी है कि जो देखें उस पर सोचें, जो सोचें उसे जाँचें और जाँचने के बाद ही मानें या आगे बढ़ाएँ। एआई का झूठ तभी जीतता है जब हम बिना सोचे यकीन कर लेते हैं। तकनीक चाहे कितनी भी चतुर हो जाए, एक सतर्क और विवेकशील नागरिक से बड़ी उसकी कोई काट नहीं है।

छात्रशक्ति से राष्ट्रशक्ति में परिणीति के 78 वर्ष

यह केवल एक पंक्ति नहीं बल्कि उन लाखों युवाओं की अनुभूति है जिन्होंने अपने छात्र जीवन को केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं रखा बल्कि राष्ट्र पुनर्निर्माण का संकल्प लेकर स्वयं को समाज के लिए समर्पित किया। 9 जुलाई भारतीय छात्र आंदोलन के इतिहास में केवल एक तिथि भर नहीं अपितु एक ऐसे विचार की आरम्भ तिथि है जिसने विद्यार्थी जीवन को राष्ट्र जीवन के व्यापक संदर्भ से जोड़ने का अद्वितीय कार्य किया।

अंकित शुक्ल

भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षा को केवल जीविकोपार्जन का साधन नहीं अपितु चरित्र निर्माण, समाजोत्थान व राष्ट्र चेतना का आधार माना गया है। हमारे ग्रंथों में वर्णित है-विद्या ददाति विनयं, विनयाद् याति पात्रताम्। पात्रत्वात धनमाप्नोति, धनात धर्मम् ततः सुखम।।

इसी महान शिक्षा दृष्टि को आधुनिक भारत के विद्यार्थी जीवन में मूर्त रूप देने का कार्य अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने किया-₹देह तो थी, ध्येय परिषद ने दिया। यह केवल एक पंक्ति नहीं बल्कि उन लाखों युवाओं की अनुभूति है जिन्होंने अपने छात्र जीवन को केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं रखा बल्कि राष्ट्र पुनर्निर्माण का संकल्प लेकर स्वयं को समाज के लिए समर्पित किया। 9 जुलाई भारतीय छात्र आंदोलन के इतिहास में केवल एक तिथि भर नहीं अपितु एक ऐसे विचार की आरम्भ तिथि है जिसने विद्यार्थी जीवन को राष्ट्र जीवन के व्यापक संदर्भ से जोड़ने का अद्वितीय कार्य किया। इसी दिन 1949 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का विधिवत पंजीकरण हुआ और तब से लेकर आज तक परिषद निरंतर छात्रहित, समाजहित एवं राष्ट्रहित के त्रिवेणी संगम का प्रतीक बनी हुई है।

आज जब अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अपनी 78 वर्षों की गौरवगाथा का उत्सव मना रही है, तब यह केवल एक संगठन की स्थापना की वर्षगांठ नहीं, बल्कि भारत के विद्यार्थी आंदोलन की उस स्वर्णिम यात्रा का उत्सव है जिसने अनगिनत युवाओं को राष्ट्र सेवा का मार्ग दिखाया। विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन के रूप में स्थापित परिषद ने समय-समय पर यह सिद्ध किया है कि विद्यार्थी भविष्य का नागरिक नहीं, बल्कि वर्तमान का राष्ट्र निमार्ता है। भारत की स्वतंत्रता के तुरंत बाद राष्ट्र अनेक चुनौतियों से जूझ रहा था। शिक्षा व्यवस्था औपनिवेशिक मानसिकता से ग्रस्त थी, समाज दिशाहीनता का अनुभव कर रहा था और युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने वाला कोई व्यापक राष्ट्रीय मंच उपलब्ध नहीं था। ऐसे समय कुछ राष्ट्रनिष्ठ युवाओं ने यह अनुभव किया कि यदि भारत का भविष्य उज्ज्वल बनाना है तो विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण का सहभागी बनाना होगा। इसी चिंतन से परिषद का उदय हुआ। परिषद का ध्येय वाक्य ₹ज्ञान, शील, एकता₹ विद्यार्थियों की पहचान तथा उनकी अंतर्निहित सम्भावना का दूरदर्शी तत्व है। उस दौर में विद्यार्थियों के प्रति सकारात्मक मानसिकता की स्थापना करते हुए परिषद ने नारा दिया ₹छात्र शक्ति-राष्ट्र शक्ति₹; अतः राष्ट्र पुनर्निर्माण के कार्य का प्राथमिक आधार विद्यार्थी शक्ति का एकसूत्र होना है।

इस यात्रा में परिषद की विशेषता यह भी रही कि उसने रचनात्मक आंदोलन के साथ देशकाल-परिस्थितियों के अनुसार राष्ट्र की विद्यार्थी शक्ति को दिशा देने के लिए वैविध्यपूर्ण गतिविधियों को अपना मूल स्वभाव बनाया। छात्र समस्याओं के समाधान से लेकर शिक्षा सुधार, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, ग्राम विकास, आपदा राहत, रक्तदान, सेवा बस्तियों में कार्य, महिला स्वावलंबन, पूर्वोत्तर भारत के साथ भावनात्मक एकात्म, सांस्कृतिक पुनर्जागरण तथा राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अनेक विषय परिषद की कार्ययोजना का हिस्सा बने। परिषद का विश्वास रहा कि परिवर्तन विरोध या विवाद से नहीं बल्कि सकारात्मक सृजन से आता है। यही उसका रचनात्मक दृष्टिकोण है। अभाविप की यात्रा केवल परिसरों तक सीमित नहीं रही। जब भी राष्ट्र के सामने संकट आया, परिषद के कार्यकर्ता सबसे आगे दिखाई दिए। कैंपस टू कम्युनिटी के माध्यम से परिसर में अध्ययनरत विद्यार्थियों को समाज में उनकी भूमिका का बोध कराने के लिये परिषद ने प्रभावी ढंग से कार्य किया। चाहे प्राकृतिक आपदाओं में राहत कार्य हों, सामाजिक जागरण के अभियान हों, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रयास हों अथवा शिक्षा के अधिकार और गुणवत्ता के लिए संघर्ष, हर क्षेत्र में परिषद ने अपने कार्यकताओं के माध्यम से समाज का विश्वास अर्जित किया। परिषद की एक विशेष पहचान उसके विविध आयामों व प्रकल्पों से भी बनती है। स्टूडेंट्स फॉर डेवलपमेंट (एसएफडी) के माध्यम से पर्यावरण और सतत विकास का विमर्श, स्टूडेंट्स फॉर सेवा के माध्यम से विद्यार्थियों का सहयोग, राष्ट्रीय कला मंच के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं कला का संरक्षण, खेलो भारत के माध्यम से युवाओं में स्वस्थ जीवनशैली के आग्रह के साथ पारंपरिक खेलों का संरक्षण व संवर्धन, एएक्छ (र३४ील्ल३२' ए७स्री१ील्लूी ल्ल क्लल३ी१-२३ं३ी छ५ल्लॅ) के माध्यम से पूर्वोत्तर और भारत के अन्य स्थानों के बीच आत्मीय संवाद, थिंक इंडिया के माध्यम से अखिल भारतीय महत्व के संस्थानों से नेतृत्व का निर्माण, शोध के माध्यम से भारत आधारित अनुसंधान तथा सविष्कार के माध्यम से नवोन्मेष व उद्यमिता- ये सभी आयाम परिषद के व्यापक दृष्टिकोण को अभिव्यक्त करते हैं।

इन 78 वर्षों में परिषद ने केवल संगठन का विस्तार नहीं किया बल्कि नेतृत्व की ऐसी परंपरा विकसित की जिसने समाज, शिक्षा, प्रशासन, विज्ञान, न्याय, उद्योग, मीडिया और राजनीति सहित अनेक क्षेत्रों को राष्ट्रनिष्ठ नेतृत्व प्रदान किया। परिषद की कार्यपद्धति व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण की अवधारणा पर आधारित है। यहाँ कार्यकर्ता केवल कार्यक्रमों का सहभागी नहीं बनता बल्कि सेवा, अनुशासन, संगठन और नेतृत्व के संस्कार प्राप्त करता है। परिषद की सबसे बड़ी शक्ति उसकी वैचारिक स्पष्टता और संगठनात्मक अनुशासन है। समय बदलता रहा, परिस्थितियाँ बदलती रहीं लेकिन परिषद का मूल उद्देश्य नहीं बदला इसलिए राष्ट्र सर्वोपरि की भावना, विद्यार्थी-केंद्रित गतिविधियाँ और समाज परिवर्तन से राष्ट्र पुनर्निर्माण का लक्ष्य आज भी उसकी प्राथमिकता में है। यही कारण है कि लाखों विद्यार्थी हर वर्ष परिषद से जुड़कर स्वयं को एक बड़े राष्ट्रीय उद्देश्य का भागीदार बनाते हैं।

आज नई शिक्षा नीति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल शिक्षा, स्टार्टअप संस्कृति, अनुसंधान, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का युग है। ऐसे समय में परिषद विद्यार्थियों को केवल रोजगार के लिए नहीं बल्कि उत्तरदायी नागरिक और सक्षम नेतृत्व के रूप में विकसित करने का कार्य कर रही है। शिक्षा को भारतीयता, नैतिकता और आधुनिकता से जोड़ने का जो प्रयास परिषद दशकों से करती रही है, वह आज और भी अधिक प्रासंगिक दिखाई देता है। अभाविप की अठहत्तर वर्षों की यात्रा अटूट पुरुषार्थ, राष्ट्रभक्ति तथा छात्रशक्ति से राष्ट्रशक्ति की परिणीति की जीवंत कथा है। आज आवश्यकता है कि देश का प्रत्येक विद्यार्थी केवल सफलता का स्वप्न न देखे बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व का बोध करते हुए राष्ट्र पुनर्निर्माण के इस महायज्ञ में अपनी आहुति प्रदान करे।

(लेखक, अभाविप से जुड़े हैं।)

अन्नू कपूर की फिल्म उत्तर दा पुत्तर के गहरे संदेश को समझें

फिल्म का पोस्टर पहले ही लोगों का ध्यान खींच रहा है। इसमें अन्नू कपूर एक टॉयलेट पर बैठे दिख रहे हैं, जो एक बड़े वास्तु चक्र के ऊपर रखा है। वो हाथ से उत्तर दिशा की तरफ इशारा कर रहे हैं। आसपास बाकी कलाकार मस्ती कर रहे हैं। उनका हैरान-खुश चेहरा फिल्म की हल्की-फुल्की मूड को बखूबी दिखाता है।

विवेक शुक्ला

प्रख्यात अभिनेता अन्नू कपूर अपने पुराने शहर दिल्ली में वापस आ गए हैं। अपनी नई कॉमेडी फिल्म 'उत्तर दा पुत्तर' की शूटिंग के लिए वो दिल्ली की उन्हीं गलियों में घूम रहे हैं, जहां उन्होंने जवानी गुजारी थी। बंगाली मार्केट, मंडी हाउस, हैली रोड जैसी जगहें उनके दिल के बहुत करीब हैं। 1970 के दशक में नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) में पढ़ते समय वो इन इलाकों में बहुत घूमा करते थे। अब इस फिल्म की टीम के साथ फिर से दिल्ली पहुंच गए हैं।

फिलहाल शूटिंग साउथ दिल्ली के एक घर में चल रही है। ब्रेक के समय अन्नू कपूर आराम से बैठे थे। उनके चेहरे पर वही गर्मजोशी भरी मुस्कान थी, जो दर्शक दशकों से देखते आ रहे हैं। फिल्म का पोस्टर पहले ही लोगों का ध्यान खींच रहा है। इसमें अन्नू कपूर एक टॉयलेट पर बैठे दिख रहे हैं, जो एक बड़े वास्तु चक्र के ऊपर रखा है। वो हाथ से उत्तर दिशा की तरफ इशारा कर रहे हैं। आसपास बाकी कलाकार मस्ती कर रहे हैं। उनका हैरान-खुश चेहरा फिल्म की हल्की-फुल्की मूड को बखूबी दिखाता है। फिल्म में अन्नू कपूर एक फिजिक्स टीचर का रोल निभा रहे हैं। वो आईआईटी एंट्रेंस की तैयारी कराते हैं। पढ़ाई में विज्ञान पर पूरा यकीन रखते हैं लेकिन वास्तु

शास्त्र पर भी बहुत भरोसा करते हैं। उनका सबसे बड़ा सपना है कि एक परफेक्ट उत्तरमुखी घर बनाना। उन्हें लगता है कि ऐसा घर बन गया तो उनकी किस्मत बदल जाएगी। फिल्म में दिशाएं बदलते-बदलते उनके जीवन में मजेदार और प्यारे बदलाव आते हैं।

फिल्म के लेखक, निर्देशक और प्रोड्यूसर संदीप कपूर ने बताया कि ये कहानी दिल्ली, मुंबई और देश के बड़े महानगरों और शहरों के लोगों की है। अन्नू कपूर ने मुस्कुराते हुए कहा, ह्लये फिल्म उन महत्वाकांक्षी लोगों के बारे में है, जो दिशा, तारे या घर के कमरे बदल कर जवाब ढूंढते हैं। लेकिन असली बदलाव तो अंदर से आता है।

अपने किरदार के बारे में उन्होंने बताया, ह्लमेरा किरदार वास्तु के सख्त नियमों और असली जिंदगी की उलझनों के बीच फंसा है। फिल्म इसे हंसी-मजाक के साथ दिखाती है। ये आस्था का मजाक नहीं उड़ाती। बस इतना कहती है कि वास्तु से घर में सुकून आ सकता है लेकिन असली बदलाव हमारे कर्म से आता है। यही बात मुझे सबसे ज्यादा पसंद आई। संदीप कपूर, जिन्होंने पहले 'जुगाड़', 'अनारकली ऑफ आरा' और नेशनल अवॉर्ड जीत चुकी फिल्म 'भोंसले' बनाई है, कहते हैं, ह्लदिल्ली और दूसरे शहरों में बहुत से लोग सोचते हैं कि घर की दिशा ठीक कर देने से सब ठीक हो जाएगा। लेकिन मेहनत के महत्व को कम नहीं किया जा सकता है। फिल्म में उम्मीद, संघर्ष और छोटी-छोटी खुशियों की बात है।फिल्म की शूटिंग दिल्ली की मशहूर जगहों पर हुई है जैसे कुतुब मीनार, करोल बाग का 108 फीट ऊंचा हनुमान मंदिर, कनॉट प्लेस और इंडिया गेट।

फिल्म का मुख्य सवाल है- ह्लकर्म बड़ा या किस्मत?ह्व अन्नू कपूर कहते हैं, ह्लकर्म और किस्मत दुश्मन नहीं, साथी हैं। किस्मत मंच तैयार करती है लेकिन असली सफलता हमारे कर्म, मेहनत और रोज के फैसलों से मिलती है।

संदीप कपूर कहते हैं कि फिल्म उन करोड़ों लोगों का सम्मान करती है जो फर्नीचर घुमाते हैं या पंडित जी से सलाह लेते हैं। लेकिन ये भी बताती है कि असली शांति तब मिलती है जब आस्था और मेहनत दोनों साथ चलें। फिल्म हल्की-फुल्की, थोड़ी चुटकुलेदार बनी है। अन्नू कपूर ने सबको निमंत्रण दिया है- ह्ल24 जुलाई 2026 को फिल्म रिलीज हो रही है। प्लीज आकर देखना। हंसते हुए घर जाना और थोड़ा अपने जीवन के बारे में भी सोचना। ये कोई भारी-भरकम लेक्चर नहीं है। बस इतना कहती है कि दिशा ठीक कर लो अगर मदद करती है लेकिन खुद पर काम करना कभी मत भूलना।ह्व

'उत्तर दा पुत्तर' हंसी, गर्मजोशी और थोड़ी-सी समझदारी के साथ बनी फिल्म है। इस फिल्म से दर्शकों को मनोरंजन के साथ कुछ सोचने को भी मिलेगा।

विष्णु सहस्त्रनाम का अचूक पाठ खोलेगा सफलता के द्वार

विष्णु सहस्त्रनाम भगवान श्रीहरि विष्णु के एक हजार नामों का संग्रह है। जिसको महाभारत के शांति पर्व में बताया गया है। हिंदू धर्म में विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ बेहद पवित्र और फलदायी माना गया है। इसका पाठ करने से न सिर्फ व्यक्ति को आध्यात्मिक शांति मिलती है, बल्कि जीवन में आने वाली हर तरह की बाधा का निवारण होता है। महाभारत में विष्णु सहस्त्रनाम का उल्लेख मिलता है। बता दें कि जब भीष्म पितामह मृत्युशैया पर लेटे थे, तब उन्होंने विष्णु सहस्त्रनाम का महत्व युधिष्ठिर को समझाया था। विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ न सिर्फ आध्यात्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि इसके जरिए से आत्मा और परमात्मा का मिलन संभव है। भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करने का यह सरल और प्रभावी उपाय है।

महत्व

विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करने से व्यक्ति के पापों का नाश होता है और रोजाना इसका पाठ करने से न सिर्फ विचार बल्कि कर्म भी शुद्ध होते हैं। विष्णु सहस्त्रनाम के पाठ से मानसिक तनाव और निगेटिविटी दूर होती है। इससे घर में शांति का वातावरण और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। स्व-सहायताऔर प्रेरणादायक शास्त्रों के अनुसार, इसका पाठ करने से स्वास्थ्य लाभ और दीघार्यु प्राप्त होती है। इसके रोजाना पाठ से शारीरिक और मानसिक कष्टों से मुक्ति मिलती है। हिंदू धर्म में भगवान श्रीहरि को सृष्टि का पालनहार माना गया है। विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करने से भगवान विष्णु की कृपा से जीवन में धन, समृद्धि और सौभाग्य का आगमन होता है।

जो भी व्यक्ति विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ करता है, उसको जीवन-मरण के बंधन से मुक्ति मिलती है। इससे मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।

नियम

धार्मिक शास्त्रों में विष्णु सहस्त्रनाम के पाठ के विशेष नियम बताए गए हैं। इन नियमों का पालन करने से पाठ का प्रभाव ज्यादा होता है।

विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करने से पहले स्नान कर लें और साफ कपड़े पहनें। क्योंकि मन और शरीर दोनों की पवित्रता जरूरी है। सुबह के समय विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना सबसे अच्छा माना गया है। इसको शांत और स्वच्छ स्थान पर बैठकर करें। अगर संभव हो तो भगवान विष्णु की प्रतिमा या चित्र के सामने बैठकर इसका पाठ करें। विष्णु सहस्त्रनाम पाठ शुरू करने से पहले श्रीहरि का ध्यान करते हुए मन में संकल्प लें। पाठ करते समय मंत्रों का उच्चारण शुद्ध और स्पष्ट होना चाहिए।

टिप्स

घर पर बनाएं रसीले आम से मैंगो पेडा

गर्मियों के मौसम में आम खाना भला किसे नहीं पसंद होता है। वहीं आम से एक से बढ़कर एक पकवान बनाए जाते हैं। कच्चे आम की खट्टी-मीठी चटनी, आमरस, कुल्फी और मैंगो शेक आदि का अपना ही मजा है। लेकिन यह सभी बहुत कॉमन डिशेज हैं। जोकि अक्सर आम के सीजन में बनाई जाती है। लेकिन क्या आपने कभी आम का पेड़ा खाया है। बता दें कि आप भी आम का पेड़ा बना सकते हैं, जिसको मैंगो पेड़ा भी कहा जाता है। आपको बता दें कि आम के पेड़े बहुत कम सामग्री में घर पर आसानी से बनाए जा सकते हैं। वहीं इसका स्वाद इतना लाजवाब होता है कि यह हर किसी को बहुत पसंद आता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मैंगो पेड़ा बनाने की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

सामग्री

पके आम का पल्प- 1 कप
चीनी- 1/2 कप
मावा/खोया- 1.5 कप
घी- 1 से 2 बड़े चम्मच
इलायची पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच
पिस्ता और बादाम- बारीक कटे हुए
केसर के धागे- 6-7

ऐसे बनाएं मैंगो पेड़ा

सबसे पहले अच्छे और पके हुए आमों को छीलकर इनको टुकड़ों में काट लें। फिर मिक्सी में पीसकर एक स्मूथ प्यूरी बनाएं। ध्यान रखें कि इस प्रोसेस में पानी का इस्तेमाल नहीं करना है।

इसके बाद भारी तले की कड़ाही में एक चम्मच घी गर्म करें। फिर इसमें आम की प्यूरी और चीनी डालें। इसको लगातार मीडियम आंच पर चलाते हुए तब तक पकाएं। जब तक कि चीनी पूरी तरह से घुल न जाए और पल्प थोड़ा सा गाढ़ा न हो जाए।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जो ज्ञान के साथ संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी परिचय दें : अनंत

प्रतिभा सम्मान समारोह में 150 से अधिक मेधावी छात्र-छात्राओं का हुआ सम्मान

संवाददाता

साहिबगंज : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 78वें स्थापना दिवस व राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विद्यार्थी सप्ताह का रविवार को सरस्वती शिशु विद्या मंदिर साहिबगंज में भव्य समापन समारोह आयोजित हुआ ।सप्ताहभर नगर के विभिन्न विद्यालयों में भाषणक्षचित्रकला वाद-विवाद संगीत तथा कला एवं शिल्प आर्ट्स एंड क्राफ्ट प्रति योगिताओं का आयोजन किया गया ।जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन समारोह में प्रतिभागियों को सम्मानित करने के साथ-साथ प्रतिभा सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया ।जिसमें 150 से अधिक मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया ।समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ साहिबगंज विभाग के विभाग प्रचारक अजय जी एवं अभाविप के पूर्व राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य व राजमहल विधानसभा क्षेत्र के निवर्तमान विधायक अनंत कुमार ओझा जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं

अभाविप के प्रदेश छात्रा सह प्रमुख सुश्री निधि सिंह,विभाग संयोजक श्री संजय दत्ता व जिला प्रमुख प्रो. चंद्रशेखर परमानिक की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर मंत्री चंदन कुमार गुप्ता ने की ।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन व परिषद गीत के साथ किया गया। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर किया गया। इस संबंध में मुख्य अतिथि अजय जी ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थी जीवन केवल परीक्षा में सफलता प्राप्त करने तक सीमित नहीं है ।बल्कि यह चरित्र निर्माण अनुशासन सेवा और राष्ट्रभाव विकसित करने का सबसे महत्वपूर्ण समय है ।आज भारत को ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जो ज्ञान के साथ संस्कार संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी परिचय दें। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद वर्षों से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रही है। विद्यार्थी सप्ताह जैसे आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ उनमें नेतृत्व क्षमता,आत्मविश्वास और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना विकसित करते हैं। हमें ऐसे युवाओं का निर्माण करना है ।जो अपने व्यक्तिगत विकास के साथ समाज और राष्ट्र के विकास में भी सक्रिय भूमिका निभाएँ। जबकि उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। जिसने अपने 78 वर्षों के गौरवशाली इतिहास में छात्रहित शिक्षा सुधार सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। परिषद केवल छात्र समस्याओं के समाधान तक सीमित नहीं है ।बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास नेतृत्व निर्माण और राष्ट्र के प्रति दायित्वबोध विकसित करने का कार्य भी करती है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नगर मंत्री चंदन कुमार गुप्ता ने कहा कि विद्यार्थी सप्ताह के अंतर्गत नगर के विभिन्न विद्यालयों में आयोजित प्रति योगिताओं को विद्यार्थियों का अभूतपूर्व सहयोग और उत्साह प्राप्त हुआ। परिषद का उद्देश्य विद्यार्थियों में ज्ञान शील और एकता के आदर्शों को विकसित करते हुए उनकी छिपी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है। भविष्य में भी परिषद विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे रचनात्मक कार्यक्रम निरंतर आयोजित करती रहेगी ।उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल व प्रशस्ति प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इंद्रोजीत साह, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अविनाश साह, विभाग छात्रा प्रमुख लक्ष्मी कुमारी, जिला कार्यालय मंत्री अंकुश कुमार, नगर उपाध्यक्ष विवेक कुमार, पूर्णब कुमार, अनमोल कुमार, निखिल राज, बादल कुमार,पीयूष कुमार, सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक, विद्यार्थी एवं परिषद के कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।समारोह का समापन वंदे मातरम्, भारत माता की जय एवं परिषद के उद्घोष के साथ हुआ।

न्यूज IN ब्रीफ

फ्रेंड्स क्लब में जिला फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन का चुनाव संपन्न

साहिबगंज : शहर के फ्रेंड्स क्लब में जिला फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन का चुनाव संपन्न हुआ ।जिसमें विभिन्न प्रखंडों से डीलर व स्वयं सहायता समूह के ग्रुप के लोग उपस्थित हुए ।प्रदेश पर्यवेक्षक के रूप में उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद साह प्रदेश सचिव मोहम्मद सलाम विनोद कुमार भगत चंदेश्वर प्रसाद सिंह पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित हुए ।पर्यवेक्षकों ने चुनाव संबंधी सारी प्रक्रियाएं डीलरों के समक्ष रखा ।इसके बाद चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ हुई ।जहाँ आपसी सहमति बनने के बाद प्रस्तावक ने अध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मत से जयप्रकाश सिहां का नाम रखा,जिसे समर्थकों ने ध्वनि मत से पारित किया ।वही उपाध्यक्ष महेंद्र पासवान,सचिव अशोक शाह,कैलाश यादव अजीत शर्मा,रामलाल भगत,मनोज चौधरी, कोषाध्यक्ष भगवान जोशी,ग्रामीण क्षेत्र एवं साहिबगंज नगर से प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र शाह उपाध्यक्ष बासुकीनाथ यादव महासचिव मंत्लाल पासवान,सचिव महेश मलिक कोषाध्यक्ष रामावतार सिंह को बनाया गया ।वही बैठक मे निर्णय लिया गया। जो विभिन्न प्रखंडों की घोषणा व कमेटी का विस्तार भी प्रदेश नेतृत्व के निदेर्शानुसार कर दिया जाएगा मौके पर जयप्रकाश सिहां,महेंद्र पासवान,राजेंद्र शाह,शंभू प्रसाद यादव,महेश मलिक प्रभु नाथ यादव,मोहम्मद जमीरउद्दीन,भगवान जोशी मनोज चौधरी यदु बासुकीनाथ यादव,जनार्दन दास रिंकी,आरती, शशिकांत दुबे,विमल गुप्ता,रेशमा मुस, संजय पोद्दार,नागेश्वर पोद्दार,मोहम्मद कुर्बान,भोला शर्मा,कैलाश यादव,अनंत यादव,मोहम्मद हन्नान गोपाल शाह मोहम्मद मेराज,आशा समेत भारी संख्या में विभिन्न प्रखंडों से डीलर उपस्थित हुए ।जिन्हें जिला एवं प्रखंड कमेटी में शामिल की गई है।

जेएसपीएलस और आसेर्टी आज समाज के लिए बहुत अच्छा काम कर रही है : प्रदीप

साहिबगंज : भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्व रोजगार प्रशिक्षण संस्थान साहिबगंज के माध्यम से 31 दिवसीय महिला दर्जी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन आसेर्टी के निदेशक प्रदीप कुमार झा दीपक,वरीय संकाय राजहंस कुमार प्रशिक्षक रेणुबाला कुमारी, आजीविका सखी मंडल साहिबगंज के विभिन्न प्रखंडों से आई हुई प्रशिक्षुओ को प्रमाण पत्र देकर उनके उज्जवल भविष्य का कामना किए ।मौके पर आसेर्टी प्रशिक्षक रेणुबाला कुमारी ने प्रशिक्षुओं को सिलाई के विभिन्न आईटम्स जैसे लहंगा पेटीकोट ब्लाउज शर्ट स्कर्ट स्कूल ड्रेस इत्यादि बनाने को सिखाये ।इस कार्यक्रम में कुल 22 प्रशिक्षुओ का सफल मूल्यांकन संताना भगत और आलम खान के द्वारा किया गया ।इस कार्यक्रम में आजीविका सखी मंडल से आई हुई कुल 22 दीदियों ने प्रशिक्षण प्राप्त की आरसेटी निदेशक प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुये कहा कि महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन कर समाज वार देश के आर्थिक विकाश में सहयोग कर सकती है और अपने परिवार को आर्थिक कमजोरी को मजबूत कर सकती और कहा कि जेएसपीएलस और आसेर्टी आज समाज के लिए बहुत अच्छा काम कर रही है और उनके उज्जवल भविष्य का रास्ता दिखा रहे है ।मौके पर सभी प्रखंडों से आए कुल 22 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया ।कार्यक्रम को सफल बनाने में आरसेटी के आकाश कुमार,रंजीत कुमार,सुरेन्द्र मुर्मू और तौफिक आलम सहित दर्जनों महिलाएं उपस्थित थे।

अब सभी को ऑन लाइन ही केस फाइल करना होगा : अखिल कुमार

साहिबगंज : व्यवहार न्यायालय साहिबगंज मे ई-कोर्ट फाइलिंग प्रोसेस की जानकारी को लेकर रविवार 12जुलाई को एक कार्यशाला सह प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। मास्टर ट्रेनर अमरेंद्र कुमार मोहंती ने बताया कि झालसा के निदेर्शानुसार व प्रधान जिला जज एवं सत्र न्यायाधीश अखिल कुमार साहिबगंज के मार्गदर्शन में आयोजित ई कोर्ट प्रोग्राम के तहत एक दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम के माध्यम से ऑन लाइन मुकदमा फाइल करने का समय आ गया है अब सभी को ऑन लाइन ही केस फाइल करना होगा ।मौके पर राजमहल के मास्टर ट्रेनर विकास कुमार एवं ओम प्रकाश सिंह ने अधिवक्ता एवं अधिवक्ता लिपिक को ई -कोर्ट ट्रेनिंग प्रोग्राम में ई-फीलिंग से संबंधित जानकारी दिए ।उन्होंने कहा कि सभी अधिवक्ता को अपना मोबाइल फोन में ई कोर्ट फाइलिंग ऐप अपलोड कर अपने अपने नाम से रजिस्ट्रेशन करना होगा। तब आप अपने नाम से कोई भी दस्तावेज या केस को ई फाइलिंग के माध्यम से कोर्ट में दाखिल कर सकेंगे ।घोष सुमित कार्यक्रम के अंत में संघ के सचिव विजयकुमार कर्ण एवं देव नारायण यादव ने भी अधिवक्ता को जानकारी दिया ।उक्त ट्रेनिंग प्रोग्राम में जिला अधिवक्ता संघ साहिबगंज के सचिव विजय कारण, साहिबगंज के अधिवक्ता देव नारायण यादव,गौतम प्रसाद सिंह उर्फ दारा,मुनीलाल मंडल,लालबाबू यादव,सुनील कुमार,बालमुकुल पंडित,नवीन निर्माण,अरुण कुमार सिन्हा,विवेक कुमार,जितेंद्र मालाकार,सुभाष गुप्ता,बम बम,ज्योति ओझा,राहुल रितेश एवं अन्य शामिल थे।

स्वैच्छिक शिविर में 10 यूनिट रक्त किया गया संग्रह

इचाक : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इचाक में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजन किया गया। स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में कई लोगों ने रक्तदान किया। शिविर में 10 मिनट रक्त संग्रह किया गया। जिन लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया, उनमें रत्नेश कुमार सिंह मनीष कुमार सिंह अनीता तिर्की बीपीएम विवेक आनंद और अमित प्रजापति के अलावा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इचाक के अन्य स्वास्थ्य कर्मी शामिल थे।

शिक्षा केंद्र में सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी को दी गई विदाई

संवाददाता

साहिबगंज : शिक्षा केंद्र,साहिबगंज में झारखंड शिक्षा परियोजना के सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी संजय कुमार तिवारी के सम्मान में भव्य विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। शिक्षक कर्मियों गणमान्य नागरिकों और छात्र-छात्राओं ने उन्हें फूल शॉल और स्मृति-चिह्न भेंट कर भावभीनी विदाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की ।कार्यक्रम की अध्यक्षता पर्यावरणविद्,शिक्षाविद् और मॉडल कॉलेज,राजमहल के प्राचार्य रणजीत कुमार सिंह ने की ।उन्होंने कहा कि संजय तिवारी सौम्य,सरल,कर्मठ और सांस्कृतिक विचारधारा से जुड़े अधिकारी हैं ।अपने कार्यकाल में उन्होंने साहिबगंज में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित भाव से काम किया ।मुख्यमंत्री उत्कृष्ट कन्या विद्यालय के शिक्षक मनोहर शर्मा ने संजय तिवारी को मिलनसार

और प्रेरणादायी व्यक्तित्व बताते हुए उन्हें शॉल एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया ।उनके द्वारा प्रस्तुत विदाई गीत ने पूरे सभागार को भावुक कर दिया ।समारोह में उपस्थित शिक्षकों और कर्मियों ने भी पुष्पगुच्छ और उपहार भेंट कर अपने स्नेह का इजहार किया ।विदाई संबोधन में संजय कुमार तिवारी ने कहा कि साहिबगंज में बिताया गया समय उनके जीवन की अमूल्य स्मृति है ।यहां के लोगों का स्नेह और सहयोग वे हमेशा अपने साथ लेकर जाएंगे ।साहिबगंज उनके दिल में हमेशा बसा रहेगा ।शिक्षक शशि कुमार सुमन ने शिक्षक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्थान परिवर्तन से इरादे नहीं बदलते ।कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा केंद्र के निदेशक अनिकेत कुमार ने किया ।उन्होंने संजय तिवारी के योगदान की सराहना करते हुए उनके भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं ।इस अवसर पर झारखंड शिक्षा परियोजना के कर्मचारी वीर प्रकाश सहित बड़ी संख्या में शिक्षक कर्मचारी गणमान्य नागरिक और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

अवैध कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा : संजीव कुमार

आरपीएफ ने ट्रैन से तस्करी के साथ 23720 रु का अवैध शराब बरामद एक तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : रेलवे सुरक्षा बल ने बरहरवा रेलवे स्टेशन पर चलाए गए विशेष जांच अभियान में शराब तस्करी का पदार्फाश करते हुए उधना स्पेशल फेयर एक्सप्रेस से एक युवक को 78 बोतल विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 23,720 रुपये बताई जा रही है। विश्वसनीय गुप्त सूचना मिलने के बाद आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार के नेतृत्व में सीपीडीएस टीम मालदा एवं आरपीएफ पोस्ट बरहरवा की संयुक्त टीम ने गाड़ी संख्या 09034 अप उधना स्पेशल फेयर एक्सप्रेस की सघन तलाशी ली। ट्रेन के बरहरवा स्टेशन पहुंचते ही कोच संख्या एस 10 में सीट संख्या 11 के नीचे रखे एक ट्रॉली बैग और एक बैकपैक को संदिग्ध अवस्था में पाया गया। दोनों बैगों की जांच करने पर उनमें विभिन्न ब्रांड की कुल 78 बोतल विदेशी शराब बरामद हुई ।सीट पर यात्रा कर रहे युवक से पूछताछ की गई तो उसने पहले टालमटोल की लेकिन सख्ती से पूछने पर उसने अपना नाम प्रेमसागर कुमार 19 वर्ष निवासी मुंगेर बिहार बताया और स्वीकार किया कि बरामद दोनों बैग उसी के हैं। आरोपी विदेशी शराब के परिवहन से संबंधित कोई वैध लाइसेंस या दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि वह शराब को मालदा से लेकर जमालपुर के रास्ते मुंगेर पहुंचाने और वहां अवैध रूप से बेचकर आर्थिक लाभ कमाने की फिराक में था। आरपीएफ ने आरोपी के कब्जे से बरामद सभी शराब की बोतलों और दोनों बैगों को जब्त कर लिया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई के लिए जब्त शराब समेत उत्पाद विभाग साहिबगंज के हवाले कर दिया गया। रेलवे सुरक्षा बल ने कहा कि रेलवे मार्ग का उपयोग कर की जाने वाली तस्करी पर पैनी नजर रखी जा रही है और ऐसे मामलों में लगातार सघन जांच अभियान जारी रहेगा। अवैध कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन की हुई संगठनात्मक बैठक

संवाददाता

साहिबगंज : शहर के अभिनव होटल हाल में रविवार को झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन सदर प्रखंड साहिबगंज कमेटी की प्रखंड अध्यक्ष शाहजहां काजू की अध्यक्षता में की गई। बैठक में मुख्य रूप से संगठन के जिला अध्यक्ष चंदन सिंह प्रदेश सचिव अरविंद ठाकुर शामिल हुए। बैठक में एसआईआर फार्म भरने की प्रक्रिया को विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई ।साथ ही पत्रकार

की समस्याओं की चर्चा करते हुए संगठन मजबूती पर बल दिया गया। जिला महासचिव रबनवाज ने पत्रकार की नैतिकता और अनुशासन पर चर्चा की। मौके पर वरिष्ठ पत्रकार शिव शंकर निराला,पंकज वर्मा, प्रवीण कुमार,आलोक कुमार, मुन्ना कुमार यादव, आनंद कुमार चौधरी, दीपक कुमार केसरी,सहेंद्र प्रसाद, रंजय पासवान, राजेश कुमार दास, मोहम्मद वसीम आलम, सुमन कुमार झा, नवीन कुमार,मनीष कुमार शर्मा, इमरान,चंदन कुमार, मोहम्मद हसमुद्दीन, मोहम्मद गुलजार व अन्य पत्रकार उपस्थित थे।

कोनहारा खुर्द में पीडीएस दुकान में लाभुकों के धोती, साड़ी का वितरण

हजारीबाग : कोनहारा खुर्द में पीडीएस दुकान में लाभुकों के धोती, साड़ी का वितरण कोनहारा खुर्द में पीडीएस दुकान में लाभुकों के धोती, साड़ी का वितरणबरकट्ठा प्रतिनिधि। प्रखंड के कोनहारा खुर्द में रोजन अली के पीडीएस दुकान में लाभार्थियों के बीच सोना सोबरन योजना के तहत धोती, साड़ी, लुंगी का वितरण किया गया। इस मौके पर मुखिया प्रतिनिधि वीरेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार आर्थिक रूप से कमजोर लोंगो के लिए सोना सोबरन योजना लागू कर कपड़ा दे रही है। यह योजना सरकार का महत्वाकांक्षी योजना है। जो दस दस रुपये में कपड़ा उपलब्ध करा रही है। वितरण कार्यक्रम में मुखिया प्रतिनिधि वीरेंद्र कुमार शर्मा, वार्ड सदस्य उस्मान अंसारी, डीलर रोजन अली, मनोज कुमार, पूर्व मुखिया मोईन अंसारी, कासिम अंसारी समेत लाभार्थी मौजूद थे।

बरहरवा थाना पुलिस ने चोरी कांड का किया खुलासा पांच आरोपी गिरफ्तार

एसी कम्प्रेसर चार सीलिंग फैन व एल्युमिनियम फ्रेम बरामद

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : थाना पुलिस ने चोरी काण्ड की घटना का खुलाशा किया है ।बरहरवा थाना परिसर में प्रेस वार्ता के दौरान बरहरवा प्रभाग पुलिस निरीक्षक संतोष कु ने बताया कि दिनांक 5 जुलाई को थाना क्षेत्र के छाताडंगाल स्थित घर में चोरी होने के संबंध में रानी संदीप कुजूर पिता-स्व.आर. ई.बी. कुजूर के लिखित आवेदन पर बरहरवा थाना कांड संख्या 177/26 दिनांक 8 जुलाई धारा 305,331(4) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत पोल्ट्री नामक युवक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई ।पुलिस ने मामले की जानकारी वरीय पदाधिकरियों को दी वरीय पदाधिकरी के निदेर्शानुसार काण्ड के उद्भेदन हेतु बरहरवा पुलिस निरीक्षक संतोष कुमार के नेतृत्व में अनुसंधान के क्रम में दिनांक 11 जुलाई को गुप्त सूचना के आधार पर पोल्ट्री उर्फ लक्ष्मण यादव

पिता-बिजय यादव ग्राम-रतनपुर थाना-बरहरवा को हिरासत में लिया गया तत्पश्चात उसके स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया ।जिसमें नंदन साह 24 वर्ष पिता स्वर्ग-लालु साहा ग्राम रतनपुर थाना बरहरवा ,प्रकाश साहा उम्र 19 वर्ष पिता झंटू साह ग्राम पतनाचौक तेलीपड़ा थाना बरहरवा, सोहन कुमार यादव उम्र 23 वर्ष पिता - स्वर्ग बिरजू यादव ग्राम पतनाचौक तेलीपारा थाना बरहरवा एवं राहुल कुमार उम्र 18 वर्ष पिता-गोपाल साह ग्राम पतना चौक तेलीपाड़ा थाना बरहरवा जिला साहिबगंज को गिरफ्तार कर विधिवत्त पूछताछ किया गया ।पूछताछ के दौरान उनके द्वारा वादी के घर से चोरी करने की बात स्वीकार की गई। तत्पश्चात गिरफ्तार सभी आरोपियों के निशानदेही पर खिड़की में लगाने वाला एल्युमिनियम का फ्रेम 4 पीस सीलिंग फैन, एसी का कंप्रेसर बरामद कर पुलिस द्वारा जब्त किया गया। साथ ही गिरफ्तार सभी अभियुक्तों द्वारा स्वीकारोक्ति बयान में पांच महीने पूर्व रतनपुर स्थित-खुशबू कुमारी के बंद घर से चोरी करने की बात भी स्वीकार की गई ।जिसके आलोक में पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर अनुसंधान कर रही है ।छापेमारी दल में पुलिस निरीक्षक संतोष कुमार,पु.अ.नि सिंह ,पु.अ. नि अनिल कुमार यादव,स.अ.नि राजनाथ साव ,स.अ. नि. रंजय कुमार यादव व शशस्त्रबल मौजूद थे।

इस मामले में गिरफ्तार दो अभियुक्त का आपराधिक इतिहास भी रहा है ।नंदन कुमार साह ,उम्र 24 वर्ष पिता-स्व.लाल साह ग्रा-रतनपुर के खिलाफ रांगा थाना कांड संख्याः- 78/23 दिनांक 14.7.2023 धारा 379/411 भा.द.वि , लक्ष्मण यादव उर्फ पोल्ट्री 20वर्ष पिता-बिजय यादव ग्राम-रतनपुर थाना-बरहरवा जिला-साहेबगंज के खिलाफ बरहरवा थाना काण्ड संख्या-417/2019 धारा-354 भा.द.वि दर्ज है ।

यूपीटी20 सीजन-4 का आयोजन 14 अगस्त से, पहली बार लखनऊ और कानपुर में खेले जाएंगे मुकाबले

एजेंसी

कानपुर : उत्तर प्रदेश टी20 लीग (यूपीटी20) के चौथे सीजन का आयोजन 14 अगस्त से 6 सितंबर 2026 तक किया जाएगा। 24 दिनों तक चलने वाले इस टूनामेंट में 34 मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें 13 डबल हेडर और 8 सिंगल हेडर मैच दिवस शामिल होंगे। यूपी क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) ने रविवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। इस बार पहली बार यूपीटी20 लीग का आयोजन दो शहरों में होगा। टूनामेंट का पहला चरण लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां 13 मैच दिवसों में कुल 22 मुकाबले होंगे। इसके बाद प्रतियोगिता का दूसरा चरण कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में आयोजित होगा, जहां शेष 12 मैच खेले जाएंगे। लीग का उद्घाटन समारोह और पहला मुकाबला लखनऊ में होगा, जबकि फाइनल और समापन समारोह कानपुर में आयोजित किया जाएगा। रविवार को हुई यूपीसीए गवर्निंग काउंसिल की बैठक में चौथे सीजन से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। यूपीसीए ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और बीसीसीआई उपाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला का खेलों के विकास में निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। यूपीसीए ने अपने बयान में कहा, ₹मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राजीव शुक्ला के प्रोत्साहन से पहली बार यूपीटी20 लीग का आयोजन दो शहरों–लखनऊ और कानपुर–में किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक फैसले का उद्देश्य उत्तर प्रदेश में क्रिकेट का विस्तार करना, राज्य के खेल बुनियादी ढांचे का बेहतर उपयोग करना और लीग को अधिक से अधिक दर्शकों तक पहुंचाना है।

बैठक में टूनामेंट के कार्यक्रम, आयोजन स्थल, खिलाड़ी नीलामी, संचालन, प्रतिभा विकास और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। यूपीटी20 सीजन-4 की मिनी नीलामी 24 जुलाई 2026 को आगरा में आयोजित होगी, जिसमें छह फ्रेंचाइजियों के लिए 45 खिलाड़ी स्लॉट उपलब्ध रहेंगे। गवर्निंग काउंसिल ने रिटेंशन नीति, खिलाड़ी चयन प्रक्रिया, कैचमेंट एरिया ट्रायल, सपोर्ट स्टाफ चयन दिशा-निर्देश और मिनी ऑक्शन नियमों को भी मंजूरी दी है, ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष रहे। स्थानीय प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए इस बार भी कैचमेंट एरिया मॉडल जारी रहेगा, जिससे उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के युवा क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना लगातार चौथे सीजन में भी यूपीटी20 लीग के ब्रांड एंबेसडर बने रहेंगे। वहीं लीग का लोकप्रिय आधिकारिक एंथम ₹खिलाड़ी यहां बनता है₹ भी इस सीजन में जारी रहेगा। खिलाड़ियों और टीमों को प्रोत्साहित करने के लिए इस बार भी कुल 3 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि रखी गई है। विजेता टीम को 1 करोड़ रुपये, उपविजेता को 60 लाख रुपये, जबकि अन्य बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और टीमों को भी आकर्षक नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। यूपीसीए ने इस बार सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए ₹हर बाउंड्री, एक नई हरियाली₹ अभियान की शुरूआत करने का फैसला किया है। इस पहल के तहत टूनामेंट में लगाए जाने वाले हर चौके और हर छक्के पर उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में एक-एक पौधा लगाया जाएगा। यूपीसीए का मानना है कि इस अभियान से क्रिकेट का रोमांच पर्यावरण संरक्षण से जुड़ेगा और युवा पीढ़ी को प्रकृति बचाने के लिए प्रेरणा मिलेगी। यूपीसीए ने कहा कि उसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश के उभरते क्रिकेटरों को राष्ट्रीय स्तर का मंच उपलब्ध कराना और राज्य को देश में क्रिकेट प्रतिभाओं का प्रमुख केंद्र बनाना है। पिछले तीन सफल सीजन के बाद इस बार चौथे संस्करण को लीग का अब तक का सबसे बड़ा, बेहतर और सबसे प्रतिस्पर्धी संस्करण बनाने की तैयारियां जोरों पर हैं।

» गांव में कोई एंग्जायटी और डिप्रेशन के बारे में जानता भी नहीं था

नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' पर बातचीत के दौरान प्रिंस नरूला ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन उन्हें खुद एंग्जायटी का सामना करना पड़ेगा। पंजाब के एक छोटे से गांव में पले-बढ़े होने के कारण, वहां मानसिक स्वास्थ्य के बारे में कोई बात नहीं करता था। पीछे मुड़कर देखने पर उन्होंने माना कि कई साल तक उन्हें इस बारे में गलतफहमी रही। उन्होंने स्वीकार किया कि वो ऐसे माहौल से आए थे, जहां कोई जानता भी नहीं था कि एंग्जायटी का क्या मतलब होता है। वे एंग्जायटी या डिप्रेशन के बारे में बात करने वाले लोगों का मजाक उड़ाते थे और उनसे कहते थे कि बस बाहर जाओ और मजे करो। हालांकि, वो चाहते थे कि हर कोई यह समझे कि यह बिल्कुल असली चीज है।

कॉमेडी छोड़ अब एक्शन करते नजर आएंगे अपारशक्ति

अपारशक्ति खुराना को आपने अब तक कॉमेडी और सपोर्टिंग रोल्स में ही देखा होगा। लेकिन अब वो एक खूंखार विलेन के किरदार में नजर आएंगे। एक्टर अपारशक्ति खुराना अपने करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाने के लिए जाने जाते हैं। अब अपारशक्ति इमरान हाशमी की आने वाली फिल्म 'गनमास्टर G9' में विलेन का रोल निभाते नजर आएंगे। हाल ही में सेट से उनकी पहली झलक सामने आई है, जिसमें एक नजर में उन्हें पहचानना तक मुश्किल हो रहा है।

एक्शन अवतार में नजर आएंगे इमरान हाशमी

'गनमास्टर त्9' का निर्देशन आदित्य दत्त ने किया है, जिन्होंने 'आशिक बनाया आपने' को डायरेक्ट किया था। आदित्य दत्त 'क्रैक', 'टेबल नंबर 21' और 'कमांडो' फ्रैंचाइजी के लिए जाने जाते हैं। फिल्म में इमरान हाशमी और अपारशक्ति खुराना के अलावा जेनेलिया डिसूजा और अभिषेक सिंह भी हैं। इस फिल्म में इमरान हाशमी एक ऐसे एक्शन अवतार में दिखेंगे जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। इसमें शानदार विजुअल्स और इमोशनल कहानी होगी जो ज्यादातर दर्शकों को पसंद आएगी।

अपारशक्ति खुराना ने दिखाई अपने किरदार की झलक

अपारशक्ति ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म से अपने लुक की झलक साझा की है। उन्होंने जबरदस्त एक्शन सीन की कई तस्वीरें और क्लिप्स शेयर कीं। साथ ही विलेन के रफ लुक में अपनी तस्वीरों और सेट की एक झलक भी दिखाई। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'विलेन की तरह चिल कर रहा हूं। सच में...'

सिर्फ अर्जेंटीना ही नहीं, रेफरी और वीएआर के खिलाफ भी खेलना पड़ाः याकिन

कैनसस सिटी : फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना से 1-3 की हार के बाद स्विट्जरलैंड के मुख्य कोच मुरात याकिन ने रेफरी और वीएआर (वीडियो असिस्टेंट रेफरी) के फैसलों पर नाराजगी जताई है। हालांकि उन्होंने टीम के अंतिम आठ तक पहुंचने के प्रदर्शन को सफल अभियान बताया। रविवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में याकिन के साथ स्विस फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष पीटर क्नाबेल और राष्ट्रीय टीम के निदेशक पियरलुइगी टामी भी मौजूद थे। तीनों ने टीम के प्रदर्शन की सराहना की, लेकिन क्वार्टर फाइनल में मिली हार को निराशाजनक बताया। मैच में स्विट्जरलैंड ने दूसरे हाफ में बराबरी का गोल किया था, लेकिन उसके कुछ ही देर बाद स्ट्राइकर ब्रील एम्बोलो को वीएआर समीक्षा के बाद सिमुलेशन (डाइव लगाने) के आरोप में दूसरा पीला कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया। इसके बाद 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही स्विस टीम पर अर्जेंटीना ने दबाव बनाया और मुकाबला 3-1 से जीत लिया।

हार के बाद याकिन ने रेफरी के फैसलों पर सवाल उठाते हुए कहा, ₹हमने सिर्फ एक शानदार अर्जेंटीना टीम और मौजूदा विश्व चैंपियन के खिलाफ ही नहीं खेला, बल्कि 70 हजार अर्जेंटीना समर्थकों, रेफरी और वीएआर के खिलाफ भी खेलना पड़ा। यह किसी भी टीम के लिए बहुत ज्यादा था। स्वाभाविक है कि इस तरह बाहर होना दर्द देता है। हालांकि स्विस कोच ने भविष्य को लेकर सकारात्मक रुख अपनाया। उन्होंने कहा, ₹हमारा सफर यहां खत्म नहीं हुआ है। हमारे पास अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का शानदार मिश्रण है। हमने लगातार नई प्रतिभाओं को टीम में शामिल किया है और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है

अपने भविष्य पर बात करते हुए याकिन ने स्पष्ट किया कि वह टीम के साथ बने रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ₹मुझे अब भी कोचिंग से उतना ही प्यार है और स्विट्जरलैंड की राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच होना मेरे लिए गर्व की बात है। इस टीम के साथ काम करना मुझे बेहद पसंद है। मेरे मन में किसी दूसरे रास्ते पर जाने का कोई विचार नहीं है। 51 वर्षीय मुरात याकिन पिछले पांच वर्षों से स्विट्जरलैंड के मुख्य कोच हैं और उनके अनुबंध में अभी दो वर्ष बाकी हैं। खिलाड़ी के रूप में वह स्विट्जरलैंड के लिए 49 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं। याकिन ने आगे कहा, ₹हम आने वाले अभियानों में भी महत्वाकांक्षी बने रहना चाहते हैं। साथ ही नेशंस लीग जैसे टूनामेंट हमें युवा खिलाड़ियों को अवसर देने का बेहतरीन मंच प्रदान करते हैं। अब स्विट्जरलैंड की टीम यूईएफए नेशंस लीग के दूसरे स्तर में खेलेगी।

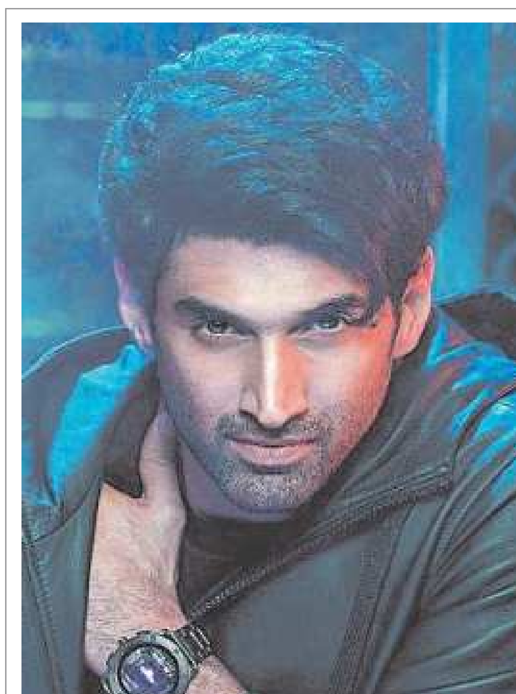

आदित्य की नई फिल्म का ऐलान

'आशिकी 2', 'मलंग' और 'मेट्रो... इन दिनों' जैसी फिल्मों से अपनी रोमांटिक छवि बनाने वाले अभिनेता आदित्य रॉय कपूर अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर खास लव स्टोरी लेकर आने वाले हैं। इस बार वह पहली बार निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी के साथ हाथ मिला रहे हैं। दोनों की यह फिल्म रोमांस, एक्शन और संगीत का दमदार मेल होगी, जिसे निर्माता भूषण कुमार बड़े स्तर पर बना रहे हैं।'

« मिलाप मिलन जावेरी संग पहली बार करेंगे काम

निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी ने आदित्य रॉय कपूर के साथ अपनी पहली फिल्म को लेकर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा, 'आदित्य प्यार को बेहद गहराई के साथ पर्दे पर उतारते हैं। 'आशिकी 2' के बाद से दर्शकों ने उन्हें जुनून और टूटे दिल की कहानियों में खूब पसंद किया है। इस नई फिल्म का किरदार कई परतों वाला होगा। मुझे नहीं लगता कि इस सफर को उनसे बेहतर कोई और निभा सकता था।' वहीं, निर्माता भूषण कुमार ने आदित्य के साथ अपनी पुरानी साझेदारी को याद करते हुए कहा, ''आदित्य के साथ हमारा रिश्ता कई सालों पुराना है और हमने साथ मिलकर ऐसी फिल्में दी हैं जिन्हें दर्शक आज भी पसंद करते हैं। 'आशिकी 2' से लेकर 'मेट्रो... इन दिनों' तक हर फिल्म हमारे लिए खास रही है। हमारे बीच शानदार क्रिएटिव तालमेल है और मुझे खुशी है कि हम एक बार फिर एक ऐसी कहानी के लिए साथ आ रहे हैं, जो भावनात्मक और बड़े पैमाने पर बनाई जाएगी। फिल्म की शूटिंग इसी साल के आखिर में शुरू होने की तैयारी है। इसके बाद पोस्ट-प्रोडक्शन का काम पूरा कर इसे साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

कई प्रोजेक्ट्स ठुकराने पर बोलीं 'अनुपमा' की अद्रिजा रॉय

मैं इंतजार करना पसंद करूंगी

'अनुपमा' में राही कपाड़िया के किरदार से अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने घर-घर में पहचान बनाई है। इस बीच अद्रिजा ने प्रोजेक्ट्स को ठुकराने और टीवी की दुनिया में आए बदलावों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह वहीं किरदार निभाना पसंद करती है, जिससे उन्हें दिल से जुड़ाव महसूस होता है। वहीं उन्होंने आगे कहा कि अब महिलाओं के लिए लिखे जाने वाले किरदारों में काफी सुधार आया है और दर्शक भी महिला केंद्रित कहानियों को खुले दिल से स्वीकार कर रहे हैं। बात करते हुए अद्रिजा रॉय ने कहा, ''मुझे लगता है कि चीजें पहले से काफी बेहतर हुई हैं। अब महिलाओं को ज्यादा अहमियत रखने वाले किरदार मिल रहे हैं। हालांकि अभी भी सुधार की गुंजाइश है, लेकिन अच्छी बात यह है कि दर्शक अब महिलाओं के नेतृत्व वाली कहानियों को स्वीकार कर रहे हैं। यह इंडस्ट्री के लिए एक सकारात्मक संकेत है। जब आईएएनएस ने उनसे पूछा कि किसी एक किरदार की सफलता के बाद क्या कलाकार के एक जैसी भूमिकाओं में बंध जाने का खतरा बढ़ जाता है।

पिटबुल के कॉन्सर्ट में झूमीं अनन्या पांडे, गाया 'रेन ओवर मी' सॉन्ग

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे ने हाल ही में विंबलडन 2026 पुरुष एकल सेमीफाइनल का मुकाबला देखा। इसके बाद उन्होंने क्यूबा-अमेरिकी रैपर पिटबुल के कॉन्सर्ट का आनंद लेते हुए अपनी कुछ झलकियां भी सोशल मीडिया पर साझा की। अपनी सोशल मीडिया स्टोरी में अनन्या पांडे ने पहले विंबलडन मुकाबले की कुछ झलकियां साझा कीं। इसके बाद उन्होंने पिटबुल के कॉन्सर्ट से एक वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में वह अन्य प्रशंसकों के साथ वर्ष 2011 के लोकप्रिय गीत 'रेन ओवर मी' पर झूमती और गाती नजर आईं। इस वीडियो के साथ अनन्या पांडे ने कैप्शन में लिखा, 'पिटबुल एट द पार्क।' 'रेन ओवर मी' पिटबुल का लोकप्रिय गीत है, जो उनके छठे स्टूडियो एल्बम 'प्लैनेट पिट' का हिस्सा है। इस गीत में प्यूर्टो रिको-अमेरिकी गायक मार्क एंथनी ने भी अपनी आवाज दी है। इस गीत को पिटबुल, मार्क एंथनी और उनके सहयोगी गीतकारों ने मिलकर लिखा था। पिटबुल ने अपने संगीत करियर की शुरुआत 2000 के दशक की शुरुआत में की थी।

वह रेगेटन, लैटिन हिप-हॉप और क्रंक संगीत के लिए जाने जाते हैं। उनका पहला एल्बम 'एम.आई.ए.एम.आई.' था। इसके बाद उनके एल्बम 'एल मारिएल' और 'द बोटलिफ्ट' भी काफी लोकप्रिय हुए और बिलबोर्ड 200 की सूची में शामिल हुए। पिटबुल के चौथे एल्बम 'पिटबुल स्टारिंग इन रेबेल्यूशन' ने उन्हें मुख्यधारा में बड़ी पहचान दिलाई। इस एल्बम के 'आई नो यू वांट मी (कैले ओचो)' और 'होटल रूम सर्विस' जैसे गीत काफी लोकप्रिय हुए। इससे पहले अनन्या पांडे पेरिस हॉट कूचर वीक में शामिल हुई थीं। इसके बाद वह विंबलडन में भी बेहद आकर्षक अंदाज में नजर आईं। मैच के दौरान उन्होंने चमकीले लाल रंग की पॉपलिन ड्रेस पहनी हुई थी। अभिनय की बात करें तो अनन्या पांडे की हालिया फिल्में 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' और 'चांद मेरा दिल' बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकीं। 'चांद मेरा दिल' एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है। इसकी कहानी विवेक सोनी और तुषार परांजपे ने मिलकर लिखी है। फिल्म में अनन्या पांडे के साथ लक्ष्य भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म कॉलेज में प्यार करने वाले एक जोड़े की कहानी है। बड़े होने के बाद जब दोनों नई जिम्मेदारियों का सामना करते हैं, तो उनके रिश्ते की परीक्षा होती है और उन्हें प्यार के बारे में अपनी सोच पर दोबारा विचार करना पड़ता है।

नेपाल ने सुस्ता सीमा क्षेत्र में बढ़ाई सुरक्षा, भारतीय पक्ष ने जताई चिंता

एजेंसी

काठमांडू : नेपाल सरकार ने भारत से सटी पश्चिम नवलपरासी जिले के नारायणी नदी पार स्थित सीमावर्ती क्षेत्र सुस्ता में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी है। गृह मंत्रालय ने जिला प्रशासन कार्यालय, नवलपरासी को पत्र भेजकर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात करने और स्थानीय नागरिकों की समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए थे। तीन जुलाई को गृह मंत्रालय के निर्देश के बाद सशस्त्र पुलिस बल के निरीक्षक के नेतृत्व में तैनात 25 जवानों की संख्या बढ़ाकर 40 कर दी गई। इसके तीन दिन बाद छह जुलाई को नेपाली सेना के ब्रिगेडियर जनरल यम बहादुर अधिकारी के नेतृत्व में सेना की एक टीम भी सुस्ता पहुंची। इसके छह दिन बाद रविवार को सशस्त्र पुलिस बल के अतिरिक्त महानिरीक्षक अञ्जनी पोखरेल ने भी क्षेत्र का स्थलीय

निरीक्षण किया। सुस्ता में इन दिनों तटबंध निर्माण का कार्य चल रहा है। करीब डेढ़ महीने पहले निमार्णाधीन तटबंध के पूर्वी हिस्से में भारतीय सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) ने पहुंचकर निर्माण कार्य रोकने को कहा था। इसी घटनाक्रम के बाद नेपाल सरकार ने वहां सुरक्षा बढ़ाने का निर्णय लिया। बताया गया है कि नेपाली सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के सादे लिबास में सुस्ता पहुंचने के बाद भारतीय पक्ष ने इस पर औपचारिक रूप से नेपाल से जानकारी मांगी। नेपाल के विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक, भारत ने पूछा कि जनरल यमबहादुर अधिकारी के नेतृत्व वाली टीम सुस्ता क्यों गई थी। इस पर नेपाल ने स्पष्ट किया कि सेना की टीम मानसून और संभावित आपदा जोखिम का अध्ययन करने के उद्देश्य से वहां गई थी। स्थानीय सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, नेपाली सेना के पहुंचते ही एसएसबी के अधिकारियों ने उनसे पूछताछ भी की। चूंकि नेपाली सेना के जवान सादे लिबास में पहुंचे थे और इसकी पूर्व सूचना स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों को भी नहीं थी, इसलिए भारतीय पक्ष ने उनकी मौजूदगी पर सवाल उठाए। नेपाल के सैन्य अधिकारियों ने सुस्ता के स्थानीय निवासियों से सीमा क्षेत्र की स्थिति और समस्याओं की जानकारी ली। नेपाली सेना के प्रवक्ता सहायक रथी राजाराम बस्नेत ने कहा कि सेना की टीम देशभर में मानसून और आपदा से जुड़े जोखिमों का आकलन कर रही है तथा सुस्ता का दौरा भी इसी उद्देश्य से किया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस दौरे का सीमा विवाद से कोई संबंध नहीं है। जिला प्रशासन ने भी कहा है कि नेपाली सेना का यह दौरा औपचारिक नहीं था। वहीं, तटबंध निर्माण में भारतीय सुरक्षाकर्मियों द्वारा हस्तक्षेप किए जाने के बाद सुस्ता में सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है।

बालोतरा में डंपर से टकराई स्कॉर्पियो, पांच युवकों की मौत, तीन घायल

बालोतरा : बाड़मेर-जोधपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पचपदरा थाना क्षेत्र में रविवार देररात हुए सड़क हादसे में पांच युवकों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो आगे चल रहे डंपर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग वाहन के भीतर ही फंस गए। पुलिस के अनुसार ,हादसा भाडियावास गांव के पास हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकालकर राजकीय नाहटा अस्पताल, बालोतरा पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने रेवांताराम (26), स्वरूपाराम (27) और भरत (25) को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल किशन, भावेश, बाबू, मुकेश और हेमाराम को प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान किशन (27) और भावेश की भी मृत्यु हो गई। मृतकों की पहचान बालोतरा जिले के कानोड गांव निवासी रेवांताराम पुत्र गेनाराम जाट, स्वरूपाराम पुत्र मेहराराम जाट, भरत पुत्र बन्नाराम जाट, किशन पुत्र शेराराम जाट तथा भावेश पुत्र कलाराम जाट के रूप में हुई है। हेड कांस्टेबल डूंगाराम खोथ के अनुसार, सभी युवक जोधपुर में भोमियाजी के दर्शन कर अपने गांव लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच युवक घायल हो गए थे, इन्हें जोधपुर रेफर किया गया। इधर दुर्घटना की सूचना मिलते ही राजकीय नाहटा अस्पताल में परिजनों और ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।

छत्तीसगढ़ विधानसभा का पांच दिवसीय मानसून सत्र आज से

कांग्रेस मंगलवार को सरकार के खिलाफ लाएगी अविश्वास प्रस्ताव

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र आज सोमवार से शुरू हो रहा है। पांच दिनों तक चलने वाले इस सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी राजनीतिक टकराहट देखने को मिल सकती है। कांग्रेस मंगलवार (14 जुलाई) को सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएगी। रविवार को हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक में इस पर सहमति बनी। प्रतिपक्ष चरणदास महंत के सरकारी बंगले पर कांग्रेस विधायक दल की बैठक करीब दो घंटे चली। बैठक के बाद नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि, 'सरकार के वादे झूठे साबित हुए हैं। भ्रष्टाचार बढ़ा है और अलग-अलग मुद्दों पर जनता परेशान है। इसलिए कांग्रेस अविश्वास प्रस्ताव लाने जा रही है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मानसून सत्र में कांग्रेस बिजली संकट, महंगाई, किसानों की समस्याएं, कानून-व्यवस्था और अन्य जनहित के मुद्दों पर सरकार को घेरेगी। सत्र की शुरूआत कार्यमंत्रणा समिति की बैठक से होगी, जबकि 13 से 17 जुलाई तक चलने वाले इस सत्र में सरकार 8 महत्वपूर्ण विधेयक सदन में पेश करेगी। मानसून सत्र को लेकर राजनीतिक सरगर्मी चरम पर है। विधायकों की ओर से कुल 1,033 प्रश्न लगाए गए हैं, जिनमें नकटी गांव का मामला, बिजली व्यवस्था, महंगाई और अन्य जनहित से जुड़े मुद्दे प्रमुख रहेंगे। इन विषयों पर सदन में जोरदार बहस और सरकार से जवाब-तलब होने के आसार हैं।

असमः पूठी नदी का रिंग बांध टूटने से छह गांवों में घुसा बाढ़ का पानी

जोरहाट (असम), 13 जुलाई (हि.स.)। जोराहाट जिलांतर्गत टियक इलाके में सोमवार की तड़के आई बाढ़ के चलते लगभग छह गांवों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। जिसके चलते ग्रामीणों का जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हो गया है।

बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार पूठी नदी का रिंग बांध टूटने के बाद बलमा इलाके के लगभग छह गांवों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है।

ग्रामीणों के घरों और खेतों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया। जिसके चलते खाने-पीने की सामग्री, विस्तर एवं अन्य सामान पानी में डूब गये हैं। ग्रामीणों के अनुसार उनके कई पालतू पशु भी बाढ़ के पानी में बह गये हैं। ग्रामीण सुरक्षित आश्रय की तलाश में ऊंचाई वाले इलाकों में पलयान कर रहे हैं। वहीं इसकी सूचना मिलते ही जिला प्रशासन एवं अन्य प्रशासनिक अमला राहत एवं बचाव कार्य के लिए रवाना हो गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि हर साल बरसात के मौसम में स्थिति कमोबेश ऐसी ही देखने को मिलती है। उन्होंने आरोप लगाया है कि जर्जर बांध की मरम्मत नहीं होने के चलते रिंग बांध टूट गया। जिसके चलते यह स्थिति उत्पन्न हुई है। ग्रामीणों ने बाढ़ से निजात के लिए सरकार से स्थायी समाधान की मांग की है।

मप्र में मानसून की रफ्तार धीमी, 22 जिलों में आज हल्की बारिश के आसार, 16 जुलाई से नया सिस्टम होगा सक्रिय

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में मानसून फिलहाल कमजोर पड़ गया है। प्रदेश के करीब 60 प्रतिशत हिस्से से मानसूनी बादल छंट गए हैं, जिसके चलते अगले पांच दिनों तक कहीं भी भारी या अति भारी बारिश की संभावना नहीं है। 16 जुलाई से एक नया मौसम सक्रिय हो सकता है, जिससे प्रदेश में फिर से तेज बारिश का दौर शुरू होने की उम्मीद है। फिलहाल प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की बारिश और बूंदाबांदी का सिलसिला जारी रहेगा। सोमवार को सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मैहर, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, बैतूल, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, धार और अलीराजपुर जिलों में बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, आगर-मालवा, इंदौर, उज्जैन, राजगढ़, शाजापुर, देवास, विदिशा, भोपाल, सीहोर, हरदा, नर्मदापुरम, रायसेन, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, दमोह, पन्ना, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, श्योपुर,

मुरैना, भिंड, दतिया और ग्वालियर में मौसम साफ रहने और धूप निकलने के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मानसून की सक्रियता में फिलहाल कमी आई है। इसी वजह से पिछले चार से पांच दिनों के दौरान प्रदेश में कहीं भी भारी या अति भारी बारिश दर्ज नहीं की गई। अगले कुछ दिनों तक केवल हल्की बारिश या रिमझिम फुहारें पड़ने की संभावना है। 16 जुलाई के बाद मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है।

मानसून कमजोर पड़ने की वजह

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, मानसून को सक्रिय रखने वाली प्रमुख मौसम प्रणालियां फिलहाल कमजोर हो गई हैं या उनका प्रभाव मध्य प्रदेश से दूर चला गया है। इसी कारण अधिकांश इलाकों में केवल बादल छाए रहने और हल्की बूंदाबांदी जैसी स्थिति बनी हुई है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 13 से 19 जुलाई के बीच उत्तर बंगाल की खाड़ी में एक नया ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) बनने की संभावना है। यदि यह प्रणाली निम्न दाब क्षेत्र में परिवर्तित होती है तो मध्य प्रदेश में एक बार फिर अच्छी बारिश का दौर शुरू हो सकता है। इसके अलावा, प्रशांत महासागर में तीन नए मौसम तंत्र विकसित हो रहे हैं। इनमें से यदि कोई एक भी बंगाल की खाड़ी तक पहुंचता है, तो मानसून दोबारा सक्रिय होने की संभावना बढ़ जाएगी।

बारिश का आंकड़ा सामान्य से सिर्फ 1 प्रतिशत अधिक

पिछले पांच दिनों से भारी बारिश नहीं होने का असर प्रदेश के वर्षा आंकड़ों पर भी पड़ा है। पहले सामान्य से लगभग 30

सिवनीः इलेक्ट्रिक वाहन बैटरियों से भरे ट्रक में लगी भीषण आग

एजेंसी

जबलपुर : मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में नेशनल हाईवे-44 पर कुरई थाना क्षेत्र के ग्राम मोहगांव में रविवार रात इलेक्ट्रिक वाहनों में उपयोग होने वाली बैटरियों से भरे एक ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही कुरई पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची तथा समय रहते आग पर काबू पा लिया। इससे पास स्थित पेट्रोल पंप तक आग पहुंचने से पहले ही बड़ा हादसा टल गया। पुलिस के अनुसार, ट्रक चेन्नई से नोएडा जा रहा था। रात करीब 9 बजे ट्रक चालक राम सिंह यादव (43), निवासी ग्राम औरैया, थाना पट्टी, जिला प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश), मोहगांव में सड़क किनारे वाहन खड़ा कर भोजन करने गया था। इसी दौरान ट्रक में अचानक आग भड़क उठी। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना देने के साथ ही प्रारंभिक स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। सिवनी से फायर ब्रिगेड को बुलाया गया जिससे दो गाड़ियां तत्काल मौके पर रवाना हुई जो समय पर पहुंच गई। पुलिस और दमकल विभाग की कार्रवाई से एक संभावित बड़ा हादसा टल गया। परन्तु आग बुझने के बाद भी ट्रक में रखी इलेक्ट्रिक कारों में उपयोग होने वाली आठ बैटरियों की प्लेटें लंबे समय तक अत्यधिक गर्म बनी रहीं। इससे बीच-बीच में धुआं और छोटी-छोटी लपटें उठती रहीं। एहतियात के तौर पर पुलिस और दमकल विभाग की टीम देर रात तक मौके पर तैनात रही और लगातार कूलिंग की प्रक्रिया जारी रखी, ताकि दोबारा आग न भड़क सके। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस ने मामला दर्ज कर तकनीकी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। विशेषज्ञों के अनुसार, लिथियम आधारित बैटरियों में आग लगने की घटनाएं सामान्य आग की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण होती हैं, क्योंकि इनमें दोबारा सुलगने की आशंका बनी रहती है।

कोचिंग संस्थान के बाहर फायरिंग मामले में खान सर को अग्रिम जमानत, छह लोगों को मिली राहत

पटना : पटना सिविल कोर्ट ने शिक्षक एवं यूट्यूबर खान सर (फैजल खान) को उनके कोचिंग संस्थान के बाहर हुई फायरिंग के मामले में सोमवार को अग्रिम जमानत दे दी। अदालत ने इस मामले में कुल छह लोगों को राहत प्रदान की, जिनमें खान सर, उनके तीन कर्मचारी और दो सुरक्षा गार्ड शामिल हैं। खान सर के अधिवक्ता अरविंद कुमार मौआर ने बताया कि अदालत ने सबसे पहले खान सर की अग्रिम जमानत याचिका मंजूर की। इसके बाद उनके तीन कर्मचारियों को भी अग्रिम जमानत दी गई। वहीं, मामले में न्यायिक हिरासत में बंद दोनों सुरक्षा गार्डों की नियमित जमानत याचिका भी स्वीकार कर ली गई। अधिवक्ता ने कहा कि पुलिस ने मामले की निष्पक्ष जांच की और केस डायरी में वास्तविक तथ्यों को दर्ज किया। उनके अनुसार, जांच के दौरान सामने आए तथ्यों का प्रभाव अदालत के फैसले में भी देखने को मिला। उल्लेखनीय है कि इस मामले की शुरूआत ज्ञान बिंदु कोचिंग के निदेशक रौशन आनंद और उनके दो सहयोगियों की गिरफ्तारी से हुई थी। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा था। बाद में उन्हें अदालत से जमानत मिल गई। इसके बाद जांच के दौरान खान ग्लोबल स्टडीज के दो सुरक्षा गार्ड प्रदीप कुमार और तालेबर सिंह को भी गिरफ्तार कर बेउर जेल भेजा गया था। दोनों उसी समय से न्यायिक हिरासत में थे और अब अदालत ने उन्हें नियमित जमानत दे दी है। जांच के दौरान एक वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने फैजल खान उर्फ खान सर का नाम भी प्राथमिकी में शामिल किया था। उन पर आरोप था कि उनके सुरक्षा गार्डों ने फायरिंग की और घटना में उनकी भूमिका की भी जांच की गई। हालांकि, इससे पहले अदालत उनकी गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा चुकी थी।

सराफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी का रुख बना हुआ है। भाव में आई गिरावट के कारण आज देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,44,320 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,32,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली गिरावट आने के

कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,44,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,32,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,44,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,44,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,32,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली कमजोरी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,44,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना

जम्मू से 7,754 अमरनाथ यात्रियों का नया जत्था कड़ी सुरक्षा के बीच गुफा के लिए रवाना

जम्मू : कड़ी सुरक्षा के बीच सोमवार को 7,700 से ज्यादा श्रद्धालु कश्मीर घाटी में सालाना अमरनाथ यात्रा के दो बेस कैंपों के लिए जम्मू से रवाना हुए। अब तक 2,52,000 से ज्यादा तीर्थयात्री 3,880 मीटर ऊंचे गुफा मंदिर में भगवान शिव के बर्फीले लिंगम के दर्शन कर चुके हैं। अधिकारियों ने बताया कि कुल 7,754 तीर्थयात्री 303 गाड़ियों में रवाना हुए, जिनमें 5,383 पुरुष, 2,071 महिलाएं, 222 साधु, 58 साध्वियां, 16 बच्चे और 4 ट्रांसजेंडर लोग शामिल थे। काफि ले को दो अलग-अलग समूहों में बांटा गया था। सुबह 3:30 बजे रवाना हुए बालटाल रूट के काफि ले में 133 गाड़ियां और 2,896 तीर्थयात्री थे। पहलगाम रूट के काफि ले की 170 गाड़ियों में 4,858 तीर्थयात्री थे, जो सुबह 4:05 बजे निकला। शुक्रवार को रवाना हुए लोगों को मिलाकर 2 जुलाई को यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक कुल 87,701 तीर्थयात्री जम्मू बेस कैंप से कश्मीर के लिए रवाना हो चुके हैं। श्रद्धालुओं ने अपनी तीर्थयात्रा शुरू की, तो भगवती नगर बेस कैंप ₹बम बम भोले हर हर महादेव और जय बर्फानी बाबा की के जयकारों से गूंज उठा। कई तीर्थयात्रियों ने यात्रा के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। पवित्र गुफा मंदिर की 57-दिवसीय वार्षिक तीर्थयात्रा 28 अगस्त को संपन्न होने वाली है।

ऑयल के पाइप से तेल चोरी में लिप्त एक आरोपित गिरफ्तार

तिनसुकिया (असम) : तिनसुकिया पुलिस ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए गेलपोखरी पुलिस चौकी और बारेकुरी थाना की संयुक्त टीम के साथ तड़के छापेमारी कर ऑयल की पाइपलाइन से अवैध रूप से कंडेनसेट चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया। कार्रवाई के दौरान एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया है कि कार्रवाई के दौरान अन्य आरोपित मौके से फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर लिया है। फरार आरोपितों की तलाश के साथ मामले की विस्तृत जांच जारी है। पुलिस ने मौके से लगभग 1,450 लीटर कंडेनसेट, 50 लीटर क्षमता वाले 25 भरे हुए प्लास्टिक गैलन, 50 लीटर क्षमता वाले 10 खाली प्लास्टिक के गैलन, एक ड्रम, ऑयल की पाइपलाइन से अवैध रूप से जोड़ा गया एक होज पाइप, अवैध रूप से कंडेनसेट निकालने में प्रयुक्त एक हस्तनिर्मित फिल्टरिंग उपकरण जब्त किया है। पुलिस ने बताया कि अवैध कंडेनसेट चोरी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपितों की पहचान कर उन्हें शीघ्र गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं।

दुर्ग : हिस्ट्रीशीटर की पीट पीटकर हत्या, पुलिस जांच में जुटी

दुर्ग : छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में पद्मनाभपुर थाना क्षेत्र के कुंदरापारा में हिस्ट्रीशीटर लेखराम कोठारी की पीट-पीटकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, साथ ही आरोपितों की तलाश शुरू कर दी गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, मृतक लेखराम कोठारी को हाल ही में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 151 के तहत गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। जेल से रिहा होने के बाद रविवार रात कुंदरापारा में कुछ लोगों ने उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं वरिष्ठ अधिकारियों ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है। फिलहाल हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

बाराबंकी : घर के कमरे में फंदे से लटका मिला अध्यापक का शव

बाराबंकी : उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जनपद में रामनगर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक सरकारी सहायक अध्यापक ने आत्महत्या कर ली। शिक्षक का शव उनके घर के कमरे में फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। आदर्श नगर पंचायत रामनगर के कस्बा धमेड़ी-2 में रहने वाले सुभाषकर तिवारी (32) बहराइच जिले के जरवल विकासखंड स्थित बरौलिया के परिषदीय विद्यालय में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत थे। सोमवार को सहायक अध्यापक अपने कमरे से बाहर नहीं निकले। काफी देर तक कमरे का दरवाजा न खुलने पर परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। परिजनों ने दरवाजा खोलकर देखा तो सुभाषकर तिवारी कमरे के अंदर पंखे से फंदे के सहारे लटका देखा।परिजनों ने उन्हें तुरंत नीचे उतारा और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रामनगर थाना प्रभारी अरुण कुमार सिंह व कस्बा प्रभारी सुभाष चंद्र यादव ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पत्नी छाया तिवारी भी परिषदीय विद्यालय में शिक्षिका के पद पर कार्यरत हैं। परिवार में पत्नी के अलावा एक नौ वर्षीय बालक और चार वर्षीय बालिका है। थाना प्रभारी ने बताया कि अध्यापक के आत्महत्या किए जाने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। परिजनों से पूछताछ के साथ अन्य पहलुओं पर जांच की जा रही है।

उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट, 96 सड़कें बंद

देहरादून : उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश के बीच मौसम विभाग ने पर्वतीय जिलों के लिए गरज-चमक, आकाशीय बिजली और तेज से अति तेज बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं बारिश के कारण राज्यभर में 96 सड़कें बंद हैं। हालांकि राहत की बात यह है कि प्रमुख नदियां और बैराज फिलहाल सामान्य स्तर पर हैं। प्रशासन ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के अनुसार सोमवार को पर्वतीय जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर तेज बारिश की संभावना है, जबकि मैदानी जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश या गरज-चमक के साथ बौछार पड़ सकती है। देहरादून में सोमवार सुबह आंशिक रूप से बादल छाए रहे, जबकि बीच-बीच में धूप भी निकलती रही। आसमान में बादलों की आवाजाही बनी हुई है और उमस का असर भी महसूस किया जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार दिन में एक-दो दौर की हल्की बारिश या गरज-चमक के साथ बौछार पड़ने की संभावना है। अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। विभाग ने लोगों को मौसम में संभावित बदलाव को देखते हुए सतर्क रहने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों में धारचूला में सर्वाधिक 114 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि मुनस्यारी में 31.5 मिमी बारिश हुई। इसके अलावा कपकोट, जानकी चट्टी, भटवाड़ी, टियूनी और नैनीताल सहित कई क्षेत्रों में बारिश रिकॉर्ड की गई। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की सोमवार सुबह आठ बजे तक की रिपोर्ट के अनुसार राज्य की गंगा, अलकनंदा, भागीरथी, यमुना, कोसी, रामगंगा, सरयू और गौला समेत अधिकांश प्रमुख नदियां सामान्य बहाव पर हैं तथा किसी भी नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर नहीं है। प्रमुख बैराज और जलाशय भी सुरक्षित स्तर पर बने हुए हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र की ओर से सोमवार सुबह 11 बजे जारी रिपोर्ट के अनुसार राज्य के सभी 13 जिलों में कुल 96 सड़कें बंद हैं। इनमें तीन राष्ट्रीय राजमार्ग, एक राज्य राजमार्ग, दो अन्य जिला मार्ग, 21 मुख्य जिला मार्ग व 63 ग्रामीण सड़कें शामिल हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

जिला में गणना प्रपत्र के वितरण का कार्य लगभग शत-प्रतिशत पूर्ण : संदीप कुमार मीना

लोहरदगा। उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी संदीप कुमार मीना ने आज ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरांत उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर विशेष गहन पुनरीक्षण -2026 के तहत जिले में चल रहे कार्यों की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने 72-लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि जिले में गणना प्रपत्र के वितरण का कार्य लगभग शत-प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में गणना प्रपत्रों के संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन का कार्य प्रगति पर है।

उपायुक्त ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा नगर क्षेत्र में गणना प्रपत्रों के संग्रहण की गति अपेक्षाकृत धीमी है, जिसे तेज करने की आवश्यकता है। इसके लिए व्यापक जनजागरूकता एवं जनसहभागिता जरूरी है। उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से लोगों को जागरूक एवं प्रेरित करने में सहयोग देने की अपील की, ताकि जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत पूर्ण किया जा सके।

14 जुलाई को आयोजित होगी इछड एवं इछअ-2 की द्वितीय बैठक तथा चुनाव पाठशाला की द्वितीय बैठक

उपायुक्त ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण -2026 अभियान के अंतर्गत मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, समावेशी एवं अद्यतन बनाने के उद्देश्य से 14 जुलाई 2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे से 12:00 बजे तक सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ एवं बीएलए-2 की द्वितीय बैठक तथा चुनाव पाठशाला की द्वितीय बैठक आयोजित की जाएगी।

बैठक के दौरान प्रारूप एएसडीडी सूची पर विचार-विमर्श किया जाएगा तथा अनमैप्ड (वल्लेंस्त्रस्त्री) मतदाताओं के संबंध में विस्तृत चर्चा की जाएगी। साथ ही, मतदाता सूची में नामों की शुद्धता एवं पात्र मतदाताओं के शत-प्रतिशत समावेशन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सुझाव एवं जानकारियां साझा की जाएंगी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त ने आम मतदाताओं, सामाजिक कार्यकताओं, पूर्व पोलिंग एजेंटों तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से बैठक में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की है, ताकि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे तथा कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित पक्षों से निर्धारित समय पर अपने-अपने मतदान केंद्रों पर उपस्थित होकर अभियान में सहयोग करने का आग्रह किया है। आज इस अवसर पर पीडी आइटीडीए-सह-नोडल पदाधिकारी (निर्वाचन) सुषमा नीलम सोरेंग, उप निर्वाचन पदाधिकारी संजय कुमार, अनुमण्डल पदाधिकारी-सह-ईआरओ अमित कुमार व विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

राजेश यादव बने तरहंसी थाना प्रभारी

मेदिनीनगर : पलामू एस पी कपिलदेव चौधरी ने एसआई चंद्रशेखर यादव को किशुनपुर ओपी प्रभारी, शहर थाना में थे पदस्थापित. ए एस आई. रुद्रानंद सरस बने नये ट्रैफिक प्रभारी. तथा सब इंस्पेक्टर राजेश यादव बने तरहंसी थाना प्रभारी बनाये गये.

भतीजे की चाकू मारकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

मेदिनीनगर : पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के रबदा गांव में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। पारिवारिक विवाद में चाचा ने अपने ही 12 वर्षीय भतीजे रोशन बैठा की चाकू मारकर हत्या कर दी। मृतक साधु बैठा का पुत्र था। घटना के बाद गंभीर रूप से घायल रोशन को बचाने का प्रयास किया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही चैनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी चाचा अनिल बैठा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस हत्या के कारणों की जांच कर रही है। प्रारंभिक तौर पर मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है।

युवक ने जहर खाकर किया आत्महत्या का प्रयास,हालत गंभीर

मेदिनीनगर : चैनपुर थाना क्षेत्र के करमाहा टोला निवासी रविंद्र बैठा के पुत्र सोनू कुमार बैठा उम्र 25 वर्ष सोमवार की सुबह अपने घर वालो से झगड़ा कर आत्महत्या का प्रयास किया।जिसके कारण उसकी हालत गंभीर हो गई। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए परिजनों के द्वारा उसे इलाज के लिए चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद भी चिकित्को ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए मेदनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया है।जहां इलाज के बाद भी उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।वही घटना की जानकारी मिलने पर अस्पताल पुलिस चौकी के पुलिस पदाधिकारी और पुलिस जवान विकास कुमार अस्पताल पहुंचकर परिजनों से घटना के बारे में जानकारी लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया में जुट गए हैं।

मालगाड़ी की चपेट में आने से महिला की मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

हुसैनाबाद : पलामू जिले के मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र के करडंडा गांव निवासी अनिता देवी (48), धर्मेन्द्र मेहता की पत्नी, की सोमवार सुबह मालगाड़ी की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। वह इलाज कराने के लिए जपला जाने निकली थीं और डीजीआर ट्रेन पकड़ने के लिए काशी स्रोत रेल पुल पार कर रही थीं। इसी दौरान पोल संख्या 347/13-15 के बीच डाउन दिशा से आ रही मालगाड़ी की चपेट में आ गईं। बताया जाता है कि उन्हें कान से कम सुनाई देता था, जिससे ट्रेन आने की भनक नहीं लगी और हादसा हो गया। घटना की सूचना पर रेल पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। मृतका अपने पीछे पति धर्मेन्द्र मेहता, दो पुत्र और दो पुत्रियां छोड़ गई हैं। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है।

पश्चिम सिंहभूम दौरे का उद्देश्य यहां की समस्याओं को जानकर उनका समाधान करना है : बाबूलाल मरांडी

संवाददाता

बंदगांव : झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने अपने तीन दिवसीय पश्चिम सिंहभूम दौरे के दौरान कहा कि उनके इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य जिले की जमीनी समस्याओं को समझना और उनके समाधान की दिशा में पहल करना है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपनी समस्याएं लिखित रूप में उपलब्ध कराएं, ताकि उन्हें संबंधित स्तर पर प्रभावी ढंग से उठाया जा सके।

रांची से बंदगांव होते हुए कराईकेला पहुंचने पर भाजपा चक्रधरपुर जिला अध्यक्ष गुरुचरण नायक के नेतृत्व में पार्टी कार्यकताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान उन्हें गुलदस्ता एवं पारंपरिक शॉल भेंटकर सम्मानित किया गया। स्वागत करने वालों में जिला कोषाध्यक्ष सुरेश साव, भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. विजय सिंह गागराई, प्रेस प्रवक्ता बुधु पंडित, कराईकेला मंडल अध्यक्ष सुशांत कुमार मंडल सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल रहे।

कराईकेला में स्थानीय ग्रामीणों ने बाबूलाल मरांडी के समक्ष कराईकेला बाजार से बाउरी साई तक सड़क निर्माण, पेयजल संकट, नकटी डैम नहर (केनाल) निर्माण सहित क्षेत्र की कई महत्वपूर्ण समस्याएं रखीं। ग्रामीणों ने बताया कि लंबे समय से इन मूलभूत समस्याओं का समाधान नहीं हो सका है। इस अवसर पर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में भाजपा कार्यकताओं की जिम्मेदारी पहले से अधिक बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत बनाना, जनता के बीच निरंतर संवाद बनाए रखना तथा सेवा कार्यों के माध्यम से पार्टी की विचारधारा और जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है।

उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले छह वर्षों से झारखंड में बालू घाटों की नीलामी नहीं कराई गई है। यदि समय पर बालू घाटों का टेंडर होता तो उससे प्राप्त राजस्व सरकारी खजाने में जाता, लेकिन ऐसा नहीं होने से राज्य को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार अवैध बालू उठाव एवं अवैध खनन गतिविधियों को संरक्षण दे रही है, जिसके कारण बालू घाटों और खनन पट्टों की नीलामी नहीं हो रही है। बाबूलाल मरांडी ने यह भी कहा कि वृद्धावस्था पेंशन सहित कई जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों को समय पर नहीं मिल रहा है, जिससे सरकार की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड में विकास कार्य ठप पड़े हैं और अब समय आ गया है कि सरकार को उसके कार्यों का आईना दिखाया जाए।

उन्होंने कहा कि वे पूरे झारखंड का दौरा कर लोगों की समस्याओं को प्रत्यक्ष रूप से जान रहे हैं। पश्चिम सिंहभूम दौरे का भी उद्देश्य यहां की वास्तविक समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए आवाज उठाना है। उन्होंने ग्रामीणों से अपनी समस्याएं लिखित रूप में देने का आग्रह किया।

इससे पूर्व बंदगांव में भाजपा जिला उपाध्यक्ष टिलु सिंह के नेतृत्व में भी बाबूलाल मरांडी का स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष गुरुचरण नायक, पूर्व विधायक शशिभूषण सामड, डॉ. विजय सिंह गागराई, जिला कोषाध्यक्ष सुरेश साव, तीरथ जामुदा, केदार नायक, कुश पूर्ति, सुशांत कुमार मंडल, बुधु पंडित, राकेश त्रिपाठी, मंगल बोदरा, दीपक महतो सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

मानसून के आगमन के साथ नदियां जलाशय और तालाब हुए खतरनाक

संवाददाता

हजारीबाग : मानसून शुरू होने के साथ ही हजारीबाग के नदी-जलाशय और तालाब खतरनाक बन गए हैं। हर साल बरसात के मौसम में डूबने से होने वाली मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है, लेकिन प्रशासन की लापरवाही हर बार एक नई त्रासदी को दावत दे रही है। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक फैला जल निकायों का जाल अब लोगों के लिए काल का ग्रास बन चुका है। हजारीबाग के कई प्रमुख जल स्रोत अब डेंजर जोन में बदल चुके हैं। शहर में झील, खंजाची तालाब, इचाक का लोटवा डैम, छड़वा डैम, चमेली झरना, खजांची तालाब, बोकारो नदी, बराकर और खावा नदी में डूबने की घटनाएं आम हो चुकी हैं। बड़कागांव विष्णुगढ़ तो और दारू प्रखंड में भी डूब कर मौत होने की घटनाएं आम है।आंकड़ों पर गौर करें तो हर वर्ष सिर्फ बरसात के दौरान डूबने से औसतन पांच से दस लोगों की मौत हो जाती है। पिछले कुछ वर्षों में स्कूल बंक कर पिकनिक मनाने गए छात्रों से लेकर नहाने गए मासूम बच्चों तक, दर्जनों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। लोटवा डैम में तो एक साथ 6 स्कूली छात्रों की डूबने की घटना ने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया था। हैरत की बात यह है कि इन खतरनाक घाटों पर न तो एक भी चेतावनी बोर्ड लगा है और न ही सुरक्षा घेरा बैरिकेडिंग की व्यवस्था है। जिला प्रशासन के पास न तो निबंधित गोताखोरों की स्थायी टीम है और न ही रेस्क्यू के लिए अत्याधुनिक उपकरण। किसी भी हादसे के बाद प्रशासन का रुख चौपारण की चय गांव के स्थानीय निजी तैराकों पर ही निर्भर रहता है। जब मामला गंभीर होता है, तब एनडीआरएफ की याद आती है, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी होती है।

लोगों को है ठोस पहल का इंतजार

स्थानीय लोग लंबे समय से मुख्य घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे हैं, लेकिन हर बार उन्हें केवल कोरे आश्वासन ही मिले हैं। जिला आपदा प्रबंधन विभाग संसाधनों की कमी का रोना रोकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है। विभाग का कहना है कि स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित कर रेस्क्यू टीम बनाने की योजना पर विचार हो रहा है। लोग सवाल उठाते हुए कहते हैं कि क्या प्रशासन किसी और बड़ी अनहोनी के इंतजार में है। समय की मांग है कि खतरनाक घाटों की पहचान कर वहां चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं और एक प्रशिक्षित रेस्क्यू टीम को चौबीसों घंटे अलर्ट मोड पर रखा जाए।

एनडीआरपीएफ की टीम आने में लग जाता है समय

एनडीआरपीएफ की टीम को हादसे के दौरान आने में बहुत समय लगता है। कभी कभी तो टीम आ भी नहीं पाती है। ऐसे में स्थिति बहुत खराब हो जाती है।

पंखों से कुछ नहीं होता हौसलों में उड़ान होती है यह साबित किया है शिवम कुमार सिंह ने

संवाददाता

नाम शिवम कुमार सिंह बीआईटी सिंदरी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के 2025 बैच का छात्र जो कि जमशेदपुर, झारखंड में रहता है जो कि एयरोमॉडलिंग, विमान अभिकल्प एवं वायुगतिकी के क्षेत्र में विशेष रुचि रखता है। अपनी इसी रुचि के कारण शिवम कुमार सिंह ने आईआईटी खड़गपुर में आयोजित बोइंग एयरोमॉडलिंग प्रतियोगिता के लिए एक रेडियो नियंत्रित (फ्छ) विमान का डिजाइन एवं निर्माण किया।

इस विमान का विंगस्पैन 100 सेंटीमीटर है। विमान के फ्यूजलाज (मुख्य ढाँचे) का निर्माण डेप्रोन फोम से किया गया, जिससे यह हल्का होने के साथ पर्याप्त मजबूत भी रहा। वहीं, पंख (विंग्स) थमोकौल (एढर फोम) से बनाए गए, ताकि कम भार के साथ अधिक लिफ्ट (उत्थापन बल) प्राप्त हो सके। विमान में अ2212/10ळ 1400 ङश इछउ्ळ मोटर, 3र 2200 ॅअँ छढङ्क बैटरी, 40अ एरउ, 9 ग्राम सर्वो मोटर तथा 10 इंच प्रोपेलर का उपयोग किया गया। इसके अतिरिक्त शिवम कुमार सिंह ने इसमें सर्वो मोटर आधारित पेलोड ड्रॉपिंग मैकेनिज्म भी विकसित किया, जिसके माध्यम से उड़ान के दौरान पेलोड को सुरक्षित एवं सटीक रूप से छोड़ा जा सकता है।

विमान के डिजाइन के दौरान शिवम कुमार सिंह ने वायुगतिकी के महत्वपूर्ण सिद्धांतों जैसे सेंटर ऑफ ग्रैविटी (उङ्ग) का सही निर्धारण, विंग लोडिंग, थ्रस्ट-टू-वेट अनुपात, लिफ्ट-टू-ड्रैग अनुकूलन, तथा अनुदैर्ध्य एवं पार्श्व स्थिरता (छङ्खल्लॅ३४ल्लिं' ल्ला छंड्ढी१' रङ्कु/३८) का विशेष ध्यान रखा, जिससे विमान की उड़ान सुरक्षित, संतुलित एवं प्रभावी रही।

यह विमान आईआईटी खड़गपुर में सफलतापूर्वक उड़ाया गया। इस परियोजना के माध्यम से शिवम कुमार सिंह ने विमान अभिकल्प, संरचनात्मक डिजाइन, इलेक्ट्रॉनिक्स एकीकरण, परीक्षण, समस्या समाधान तथा टीमवर्क का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। इस अनुभव ने उसे यूनमैन्ड एरियल व्हीकल (वअश), एयरोस्पेस तथा ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में आगे कार्य करने के लिए और अधिक प्रेरित किया।

सीतारामडेरा से ब्राउन शुगर के साथ तीन गिरफ्तार

जमशेदपुर : सीतारामडेरा पुलिस ने बीते रात इंदिरा नगर में छापामारी कर नौ पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ तीन लोगों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों में विशाल कैवर्तो, भारती कैवर्तो और एक नाबालिग शामिल है। थाना में तीनों के खिलाफ मादक पदार्थ की खरीद बिक्री करने का मामला दर्ज किया गया। इसके साथ ही पूछताछ के बाद दो आरोपियों को पुलिस ने जेल भेज दिया जबकि नाबालिग को बाल सुधार गृह भेजा गया है। इधर, मारपीट और आर्म्स एक्ट के मामले में फरार एक अन्य आरोपी आकाश सिंह उर्फ काले को भी सीतारामडेरा पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

16 लाख एसआईआर फॉर्म का वितरण, सिंदरी आगे

संवाददाता

धनबाद : मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) के लिए धनबाद के सभी छह विधानसभा क्षेत्रों में अबतक 16 लाख 16 हजार 902 ईएफ का वितरण किया गया है, जबकि चार लाख 18 हजार 201 ईएफ का डिजिटाइजेशन पूरा कर लिया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि सिंदरी विधानसभा में 3,25,129, टुंडी में 2,83,623, निरसा में 2,86,845, बाघमारा में 2,44,743, धनबाद में 2,94,970 और झरिया विधानसभा में 1,81,592 सहित 16,16,902 ईएफ का वितरण किया गया है। निरसा में 1,07,153, सिंदरी में 97,130, टुंडी में 76,557, बाघमारा में 57,078, धनबाद में 42,371 तथा झरिया विधानसभा में 37,912 सहित 4,18,201 ईएफ का डिजिटाइजेशन पूरा हो गया है।

ईएफ वितरण के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी व सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी मतदान केंद्रों का भ्रमण कर रहे हैं, ताकि प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सके।

पाकुड़ के दर्जनों मतदान केंद्रों पर लगाए गए डिजिटाइजेशन कैंप, मतदाताओं की उमड़ी भीड़

संवाददाता

पाकुड़ : मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर रविवार को जिले के शहरी और ग्रामीण इलाकों के दर्जनों मतदान केंद्रों पर डिजिटाइजेशन कैंप लगाए गए। जिला प्रशासन के निर्देश पर पाकुड़, लिट्टीपाड़ा और महेशपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्रों पर लगाए गए कैंप में गणना प्रपत्र का वितरण, संग्रहण के साथ-साथ प्रपत्रों का ऑनलाइन डिजिटाइजेशन किया गया।

कैंपों में उमड़ी मतदाताओं की भीड़

कैंपों में एसआईआर प्रपत्रों को जमा कराने और उसका डिजिटाइजेशन कराने बड़ी संख्या में मतदाता पहुंचे थे। बूथों पर आयोजित कैंप में मतदाताओं के बीच गणना प्रपत्रों का वितरण भी किया गया। मतदाताओं को सहयोग करने के लिए बूथ लेवल पदाधिकारी, बीएलओ सुपरवाइजर, वोलेंटियर, राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट भी मौजूद रहे।

पदाधिकारियों ने किया कैंपों का निरीक्षण

उप विकास आयुक्त अरविंद कुमार लाल, अनुमंडल पदाधिकारी साइमन मरांडी, उप जिला निर्वाचन पदाधिकारी मोजाहीद अंसारी, नगर प्रशासक अमरेंद्र कुमार चौधरी सहित अन्य पदाधिकारियों ने कैंपों का निरीक्षण भी किया। इस दौरान पदाधिकारियों ने कैंपों में घंटों समय दिया और वैसे मतदाताओं को सहयोग किया जो गणना प्रपत्र लेकर कई दिनों से परेशान थे।

मौके पर मौजूद जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी मोजाहिद अंसारी ने बताया जिले के सुदूरवर्ती वैसे इलाके जहां नेटवर्क की समस्या है उन इलाके के लोगों की सहूलियत के लिए प्रशासन ने नेटवर्क वाले इलाकों में कैंप लगाने का निर्णय लिया, ताकि मतदाताओं द्वारा बीएलओ के पास जमा किए गए गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन किया जा सके। साथ ही वैसे मतदाता जो गणना प्रपत्र भरने में सक्षम नहीं हैं उन्हें मदद करने का भी काम कैंपों में किया जा रहा है। साथ ही गणना प्रपत्र का वितरण भी किया जा रहा है, ताकि कार्य में तेजी आए और मतदाताओं को किसी प्रकार की दिक्कत न हो।